मूल्य 1 रु.

वर्ष: 10 - अंक : 9, मुंबई, सोमवार, 2 मार्च, 2020 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादक: दिलशाद एस. खान

दैनिक मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त ®

अब हर सच होगा उजागर

मोदी सरकार पर शरद पवार का निशाना

'हारे तो कराई हिंसा'

संवाददाता

मुंबई। नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) को लेकर दिल्ली में हुई हिंसा के बाद विपक्ष भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) समेत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) को लगातार निशाने पर ले रहा है। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के मुखिया शरद पवार ने मुंबई में रविवार को एक कार्यक्रम के दौरान कहा कि पिछले कुछ दिनों से राष्ट्रीय राजधानी जल रही है। केंद्र में शासन कर रही पार्टी दिल्ली विधानसभा चुनाव नहीं जीत सकी तो सांप्रदायिकता को बढ़ावा देकर समाज को बांट दिया गया।

(शेष पृष्ठ 5 पर)

दिल्ली में हुई हिंसा के बाद राजनीतिक दलों के एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप जारी हैं। एनसीपी नेता शरद पवार ने मुंबई में एक कार्यक्रम के दौरान इस हिंसा के लिए केंद्र सरकार को निशाने पर लिया।

बीएमसी के लिए शुरू हुई जंग

एनसीपी का यह 'प्लान'

उधर, महाराष्ट्र की सत्ता से बेदखल होने के बाद भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) बीएमसी चुनाव को लेकर लगातार रणनीति बनाने में जुटी है। उधर, महाराष्ट्र में गठबंधन वाली सरकार की सहयोगी राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी ने यह स्पष्ट कर दिया है कि बीएमसी चुनाव में भी वे शिवसेना के साथ मिलकर उसका नंबर वन का दर्जा बरकरार रखेंगे। हालांकि, डेप्युटी सीएम अजित पवार ने यह भी कहा है कि नंबर दो पर एनसीपी को लाने के लिए जोरदार ढंग से कोशिश की जाएगी।

शुध्द घी में बना
केसरीया मलाई घेवर
MM MITHAIWALA
MALAD (W),TEL.: 288 99 501

नए पुलिस कमिश्नर के लिए शिवसेना पर भारी पड़ी एनसीपी की 'चॉइस'!

मुंबई। सीनियर आईपीएस अधिकारी परमबीर सिंह मुंबई के नए पुलिस कमिश्नर नियुक्त हो गए हैं। अब इस नियुक्ति के पीछे की 'राजनीति' का किस्सा सामने आ रहा है। महाराष्ट्र की महाविकास अघाड़ी की सरकार ने इस पद के लिए दो नामों को शॉर्टलिस्ट किया था, जिसमें कथित तौर पर शिवसेना की पसंद पर एनसीपी की पसंद को तवज्जो दिया गया। (शेष पृष्ठ 5 पर)

परमबीर सिंह एटीएस में डिप्टी आईजी के पद पर भी रह चुके हैं

अफवाहों के चलते दिल्ली में... जगह-जगह तनाव

पुलिस बोली– हालात पूरी तरह सामान्य

नई दिल्ली। दिल्ली के कई इलाकों में रविवार शाम सात बजे अफवाह फैलने से तनाव हो गया। हालात ऐसे हो गए कि दिल्ली मेट्रो (डीएमआरसी) को तिलकनगर समेत सात मेट्रो स्टेशनों को बंद करना पड़ा। हालांकि एक घंटे से भी कम समय के भीतर सभी मेट्रो स्टेशन फिर से खोल दिए गए। (शेष पृष्ठ 5 पर)

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

संक्षिप्त खबर

किंग्ज सर्कल में ट्रैफिक जाम हुआ सामान्य

मुंबई। किंग्ज सर्कल स्टेशन के पास के फुट ओवर ब्रिज (एफओबी) के क्षतिग्रस्त हिस्से को मरम्मत का काम शुक्रवार शाम तक पूरा कर लिया गया। इससे मुख्य रास्ते पर अब ट्रैफिक की समस्या भी दूर हो गई। किंग्ज सर्कल स्टेशन के पास स्थित गांधी मार्केट तक जाने वाले एफओबी के पहले का हाइट वैरियर का पिलर गुरुवार रात को क्षतिग्रस्त हो गया। इस वजह से शुक्रवार की शाम तक इस मार्ग से वाहनों का आवागमन रोक दिया गया था। शाम तक इसकी मरम्मत के बाद रास्ते को दोबारा यात्रियों के लिए खोल दिया गया। इससे गांधी मार्किट की तरफ से किंग्ज सर्कल स्टेशन, सायन और दादर की तरफ जाने वाले यात्रियों ने राहत की सांस ली। हाइट वैरियर, एफओबी से थोड़ा पहले है। सायन- पनवेल हाइवे के ऊपर बने इस एफओबी का उद्घाटन 20 दिन पहले ही हुआ था। 6 महीने की मरम्मत के बाद 8 फरवरी को इसे खोला गया था। स्थानीय नगरसेविका नेहल शाह ने इसके लिए काफी मेहनत की थी। शाह ने बताया कि देर रात बड़े ट्रेलर ने पीलर को टक्कर मार दी थी, जिससे पीलर क्षतिग्रस्त हो गया था। एफओबी पूरी तरह से सुरक्षित है। इस एफओबी के खुलने से लोगों को किंग सर्कल स्टेशन तक जाना आसान हो गया है। जब एफओबी बंद थी तब लोगों को किंग्ज सर्कल स्टेशन तक पहुंचाने के लिए बेस्ट ने गांधी मार्केट से बसों का संचालन शुरू किया था। लेकिन, उसे भी सायन के चार रोड जंक्शन से होकर जाना पड़ता था। वहां हमेशा ट्रैफिक जाम रहता था। लोगों का बस में भी 20 से 25 मिनट अतिरिक्त समय व्यर्थ होता था। एफओबी शुरू होने से लोगों का समय बच रहा है।

मालवणी नाले के पास बनेगी रोड

मुंबई। बीएमसी इन दिनों मुंबई में बड़े पैमाने पर अवैध निर्माण और अतिक्रमण के खिलाफ तोड़क कार्रवाई कर रही है। अब इस जगह पर रोड बनाया जाएगा। शुक्रवार को बीएमसी के पी-उत्तर विभाग के अंतर्गत आने वाले मालवणी नाले के आसपास के 198 अतिक्रमण को हटाया। इस नाले पर कई साल पहले रास्ता बनाया गया था, लेकिन अतिक्रमण के कारण लोगों को आने जाने में काफी परेशानी का सामना करना पड़ता था। अतिक्रमण हटने से अब्दुल हमीद रोड, लगुन रोड और स्टेशन रोड आने-जाने वाले करीब 4 लाख लोगों को फायदा होगा। उपायुक्त रणजीत ढाकणे के मार्गदर्शन में हुई आखिरी चरण की कार्रवाई में 65 अवैध निर्माण हटाए गए। इस कार्रवाई से 615 मीटर लंबी और 6 मीटर चौड़ी सड़क बनाने का रास्ता साफ हो गया है। साथ ही नाले की सुरक्षा दीवार बनाने में भी आसानी होगी। इससे पहले बीएमसी ने नीले के आसपास की 133 अवैध निमार्णों को हटाया था।

सड़क पर बत्ती बुझते ही बेस्ट की 'बत्ती' जलेगी

मुंबई। कई बार स्ट्रीट लाइट बंद होने के बाद कई दिनों तक ठीक नहीं होती है। शिकायत करने के बावजूद मरम्मत में देरी हो जाती है। बेस्ट के बिजली विभाग के कर्मचारी यदि बंद स्ट्रीट लाइट को नोटिस कर लें या कोई उपभोक्ता शिकायत करें, तभी गड़बड़ी का पता चलता है। अब बेस्ट कुछ ऐसी व्यवस्था ला रही है, जिसमें स्ट्रीट लाइट में तकनीकी खराबी होते ही ऑटोमैटिक संबंधित विभाग को पता चल जाएगा। विभाग द्वारा गड़बड़ी वाली लाइटों की रिपोर्ट मरम्मत करने वाले विभाग को मिल जाएंगी और अपेक्षाकृत कम इंतजार में स्ट्रीट लाइट ठीक कर दी जाएगी। शहरभर में बेस्ट द्वारा 41,440 स्ट्रीट लाइटें लगाई गई हैं। इतनी लाइटों को मॉनिटर करने के लिए 462 लाइटिंग पिलर हैं। एक लाइटिंग पिलर से लगभग एक हजार लाइटों का सर्किट तैयार होता है। इन 462 लाइटिंग पिलर पर मॉनिटर युनिट लगाए जाएंगे। ऑटोमैटिक ट्रैकिंग वाली इन युनिट में जीपीएस और जीपीआरएस दोनों तकनीक होंगी।

मुस्लिम आरक्षणः बीजेपी से अलग हिंदुत्व का दावा करती रही शिवसेना, अब कांग्रेस के आगे झुकी?

मुंबई। अपनी स्थापना के साथ ही हिंदुत्व की झंडाबरदार रही शिवसेना ने महाराष्ट्र में मुस्लिमों को सरकारी स्कूल-कॉलेजों 5 प्रतिशत आरक्षण देने का प्रस्ताव रखा है। यूं तो पिछले काफी वक्त से इसे लेकर राजनीतिक चर्चा चल रही थी लेकिन सरकार के अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री नवाब मलिक के इस ऐलान के साथ ही शिवसेना की हिंदूवादी राजनीति को लेकर सवाल खड़े होते दिख रहे हैं। कभी सहयोगी रही भारतीय जनता पार्टी पहले ही इस मुद्दे को लेकर शिवसेना को घेरती रही है और सरकार में आने के लिए, कांग्रेस और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के सामने झुकने का आरोप लगाती रही है।

बालासाहेब ठाकरे ने पार्टी के शुरूआती दिनों में ही बीजेपी के हाथ से हिंदुत्व का झंडा ले लिया था। उसके बाद से हमेशा पार्टी ने कट्टर हिंदुत्व की राजनीति की थी।पार्टी के सांसद और प्रवक्ता संजय राउत ने भी पिछले महीने ही कहा था कि विनायक दामोदर सावरकर के बाद बाल ठाकरे ने कट्टर हिंदुत्व की लौ जलाई थी। उन्होंने यहां तक कहा था कि अब कुछ लोग उसका अनुसरण करने का प्रयास कर रहे हैं

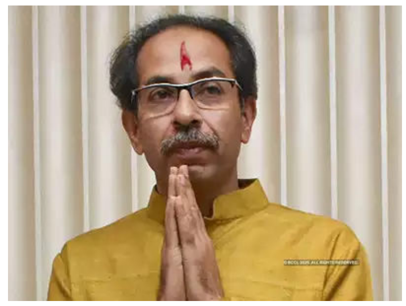

लेकिन शिवसेना और बाल ठाकरे का कोई मुकाबला नहीं है। महाराष्ट्र की पॉलिटिक्स में बीजेपी के मुकाबले शिवसेना का दबदबा इसलिए दिखता था कि वह 'मुसलमान', 'पाकिस्तान' जैसे मुद्दों पर खुलकर अपनी बात कहती थी, कोई ढकाव-छुपाव नहीं जबकि उस दौर की बीजेपी तोल-मोल कर बोलने में यकीन करती थी। उद्धव ठाकरे ने भी कहा था कि शिवसेना को अपना हिंदुत्व साबित करने के लिए किसी झंडे की जरूरत नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि बीजेपी हिंदुत्व की झंडाबरदार नहीं है। राउत को शिवसेना को हिंदुत्व का हेडमास्टर भी बता चुके हैं। हालांकि, महाराष्ट्र में 2019 में हुए विधानसभा चुनावों के नतीजे आने के बाद इधर शिवसेना ने बीजेपी से अलग रास्ता पकड़ा और उधर कांग्रेस-एनसीपी के साथ गठबंधन करते ही उसे अपने हिंदुत्व की छवि को नरम करना पड़ा। सरकार के कॉमन मिनिमम प्रोग्राम के तहत भी हिंदुत्व के मुद्दे को बाहर कर दिया गया। इसकी झलक साफतौर पर संसद में नागरिकता संशोधन विधेयक के पारित होते वक्त भी देखी गई जब लोकसभा में बिल का समर्थन करने के बाद राज्यसभा में वोटिंग के दौरान पार्टी को वॉकआउट करना पड़ा था। मुस्लिम आरक्षण को लेकर भी शिवसेना को कांग्रेस-एनसीपी के सामने नरम रुख अपनाना पड़ा है। इससे पहले साल 2014 में होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले जून महीने में प्रदेश की तत्कालीन कांग्रेस-एनसीपी गठबंधन सरकार ने मुस्लिमों के लिए पांच फीसदी के आरक्षण की व्यवस्था की थी और इस संबंध में अध्यादेश भी जारी किया था। 6 साल बाद सरकार में आने के बाद से कांग्रेस ने फिर साफ कर दिया था कि वह सरकार पर इस मुद्दे को लेकर दबाव बनाएगी।

अंजारिया पर शोषण का आरोप

मुंबई। प्रकाश आंबेडकर की पार्टी वंचित बहुजन आघाडी ने उत्तर-मध्य मुंबई लोकसभा चुनाव क्षेत्र में अब्दुल रहमान अंजारिया को उम्मीदवारी दी थी। लैंगिक शोषण के आरोप से अंजारिया घिर गए हैं। अंजारिया का यह मामला विधानसभा में भी गूंजा, जिस पर गृह मंत्री अनिल देशमुख ने कड़ी से कड़ी कार्रवाई का आश्वासन दिया।

समाजवादी पार्टी के विधायक अबू आजमी ने विधानसभा में यह मामला उठाया। उन्होंने सदन को बताया कि साकीनाका में अब्दुल रहमान अंजारिया पर नाबालिग लड़के के साथ दुराचार

का आरोप है। उसके खिलाफ पुलिस स्टेशन में मामला भी दर्ज है, लेकिन वहां के पुलिस अधिकारी ने अंजारिया को भगा दिया। अब तक उसकी गिरफ्तारी नहीं हुई। उसे गिरफ्तारी से बचाने के लिए कुछ राजनीतिक दल हस्तक्षेप कर रहे हैं। सरकार उसे तत्काल गिरफ्तार करें और उस पर कठोर से कठोर कार्रवाई करें। आजमी के आरोप को गंभीर बताते हुए अध्यक्ष नाना पटोले ने गृह मंत्री अनिल देशमुख की ओर इशारा करते हुए जवाब मांगा।

इमारत का स्लैब गिरने से 3 लोग घायल

मुंबई। जोगेश्वरी पूर्व के नटवर नगर रोड स्थित त्रिमूर्ति बिल्डिंग की पहली मंजिल का स्लैब गिरने से एक ही परिवार के तीन लोग घायल हो गए। जिन्हें पास के कुलकर्णी हॉस्पिटल में एडमिट कराया गया। इसमें से 43 वर्षीय सुजीत केलसकर को आईसीयू में एडमिट कराया गया है। शुक्रवार को हुई दुर्घटना में घायल होनेवालों में विनय केलसकर और सुहास केलसकर भी शामिल हैं, इनकी हालत स्थिर बताई जा रही है। यह इमारत वेस्टर्न एक्सप्रेस हाइवे पर है।

पानी की बोतलों पर प्रतिबंध नहीं

मुंबई। विधान परिषद में पर्यावरण मंत्री आदित्य ठाकरे ने साफ कहा कि महाराष्ट्र में पीने के पानी की बोतलों (प्लास्टिक की बनी हुई) पर कोई प्रतिबंध नहीं लगाया गया है, क्योंकि पानी की बोतल का अभी तक कोई विकल्प नहीं है। हालांकि, सरकारी कार्यालयों में कांच की बोतलों का उपयोग किया जा रहा है, लेकिन यह रिस्की है, क्योंकि गिरने पर टूटने का डर रहता है।

शुक्रवार को विधानपरिषद में कांग्रेस के सदस्य रामहरी रुपनवर, भाजपा के विजय गिरकर, रामनिवास सिंह, कांग्रेस के भाई जगताप, शिवसेना की मनिषा कायंदे सहित अन्य सदस्यों ने प्लास्टिक की थैलियों पर प्रतिबंध लगाने के बारे में प्रश्न पूछा था।

सदस्यों के सवालों का जवाब देते हुए पर्यावरण मंत्री आदित्य ठाकरे ने कहा कि राज्य में एक बार इस्तेमाल की जाने वाली प्लास्टिक के उपयोग पर पूरी तरह से पाबंदी है। सिंगल यूज प्लास्टिक बनाने वाली 53 कंपनियों को बंद किया गया है। होटल्स, मॉल और बाजारों में प्रतिबंधित प्लास्टिक के उपयोग करने वालों पर लगातार कार्रवाई की जा रही है। 2018 से लेकर 2020 तक 84,210 किलो प्रतिबंधित प्लास्टिक जब्त किया गया है और 4 करोड़ 54 लाख रुपये दंड वसूल किया गया है। आदित्य ने कहा कि प्लास्टिक के इस्तेमाल होने वाले अन्य चीजों में जैसे बोतल, पैकेजिंग आदि पर अभी रोक नहीं लगाई गई है।

सदस्यों के सवालों का जवाब देते हुए पर्यावरण मंत्री ठाकरे ने कहा कि मंत्रालय, विधानभवन समेत अन्य सरकारी कार्यालयों में पीने के पानी के लिए कांच की बोतलों का उपयोग किया जा रहा, लेकिन कांच की बोतल के टूटने का डर रहता है। साथ ही इसको धोने के लिए तीन से चार लीटर पानी लगता है। इसके बावजूद जहां पर शुद्ध पानी मिलने की व्यवस्था है, ऐसी जगहों पर कांच की बोतल का अधिक से अधिक इस्तेमाल हो रहा है। एक सवाल के जवाब में पर्यावरण मंत्री ठाकरे ने कहा कि सजावट के काम में थमाकोल पर भी रोक लगाई गई है। आम तौर पर इसका उपयोग सजावट में किया जा जाता है। पिछली बार गणेश उत्सव के दौरान सजावट के लिए थमाकोल का इस्तेमाल नहीं किया गया, लेकिन गणेश उत्सव में बनाई जाने वाली मूर्तियां में प्लास्टर ऑफ पेरिस (पीओपी) के इस्तेमाल पर रोक लगाने के बारे में विचार किया जाएगा। आदित्य ने कहा कि ई-कचरा की नीति लागू करने के बारे में सरकार जल्द ही भूमिका स्पष्ट करेगी। उन्होंने विधानपरिषद में कहा कि सड़क बनाने के लिए 7 प्रतिशत प्लास्टिक का उपयोग किया जा रहा है।

ठाकरे ने विधानपरिषद में कहा कि प्रतिबंधित प्लास्टिक की थैलियों का लोग उपयोग ही नहीं करें, इसके लिए आने वाले दिनों में राज्य में पांच करोड़ कपड़े की थैली बांटी जाएंगी। ये थैलियां विभिन्न समाजसेवी संगठन वितरित करेंगे। इससे लोगों की प्लास्टिक पर निर्भरता कम होगी और पर्यावरण का संतुलन बनाए रखने में भी मदद मिलेगी।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक- **दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व), मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल, साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन: **9619102478 /9769659975**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

महाराष्ट्र : 8 महीने की गर्भवती विधायक ने लिया विधानसभा सत्र में हिस्सा, बोलीं, 'अपनी ड्यूटी निभा रही हूं'

मुंबई। महाराष्ट्र में 8 महीने की गर्भवती विधायक नमिता मूंदड़ा ने विधानसभा सत्र में हिस्सा लेकर महिलाओं के लिए साहस की मिसाल पेश की। नमिता महाराष्ट्र के बीड से एनसीपी विधायक हैं। उन्होंने कहा कि विधानसभा में बजट सत्र चल रहा है, ऐसे में इसमें भाग लेना उनका कर्तव्य और जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि प्रेगनेंसी कोई बीमारी नहीं है बल्कि जीवन का हिस्सा है।

30 साल की नमिता ने बताया कि उन्होंने ऐसा सुना है कि वह विधानसभा सत्र में शामिल होने वाली पहली गर्भवती विधायक हैं। नमिता ने कहा, 'बजट सत्र चल रहा है और इसमें शामिल होना मेरा कर्तव्य और जिम्मेदारी है। मेरे निर्वाचन क्षेत्र में कई ऐसे मुद्दे हैं जिन्हें मुझे सदन में उठाने जरूरी हैं।'

दिलचस्प यह है कि बीड जिला जो कभी कन्या भ्रूणहत्या की वजह से खबरों में रहा वहां से एक महिला विधायक प्रतिनिधित्व कर रही है। विधायक नमिता का कहना है कि प्रेगनेंसी कोई बीमारी नहीं है। यह सिर्फ महिलाओं के जीवन का एक हिस्सा है।

नमिता ने कहा, 'मुझे भी दूसरी गर्भवती महिलाओं की तरह दिक्कतें होती हैं लेकिन मैं डॉक्टर की सलाह का पालन करती हूं और काम करते हुए भी खुद का ध्यान रखती हूं।' बता दें कि महाराष्ट्र में 2019 के विधानसभा चुनाव के दौरान नमिता को एनसीपी ने टिकट दिया था लेकिन ऐन मौके पर वह पार्टी छोड़ कर बीजेपी में शामिल हो गईं और बीड निर्वाचन क्षेत्र से जीत हासिल की।

मुस्लिमों को आरक्षण देकर शिवसेना को मुसीबत में डालना चाहती हैं कांग्रेस और एनसीपीः आठवले

मुंबई। केंद्रीय मंत्री रामदास आठवले ने शुक्रवार को कहा कि महाराष्ट्र में शिक्षा में मुस्लिमों को पांच प्रतिशत आरक्षण देने की घोषणा एनसीपी और कांग्रेस का शिवसेना को मुश्किल में डालने का प्रयास है। आठवले ने कहा कि शिवसेना धर्म के आधार पर आरक्षण के खिलाफ है। आठवले ने कहा कि मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे को महा विकास आघाडी की सरकार छोड़कर फिर बीजेपी के साथ आ जाना चाहिए। हालांकि, उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी मुस्लिमों को शिक्षा में पांच प्रतिशत आरक्षण देने के खिलाफ नहीं है। आठवले ने यहां राज्य विधानसभा के बाहर संवाददाताओं से कहा, 'तत्कालीन कांग्रेस-एनसीपी सरकार ने मुस्लिमों को पांच प्रतिशत आरक्षण दिया था। लेकिन यहां कांग्रेस-एनसीपी इस मुद्दे पर शिवसेना को मुसीबत में डालने की कोशिश कर रही है क्योंकि शिवसेना ऐसे आरक्षण की विरोधी है।' उन्होंने कहा, 'वे उद्धव ठाकरे को फंसाने की कोशिश कर रहे हैं। हम उद्धव जी से अनुरोध करते हैं कि वे बालसाहेब ठाकरे के सपनों को सच करने के लिए बीजेपी से फिर हाथ मिला लें।'आठवले ने यह भी कहा कि ठाकरे किसी दिन कांग्रेस और एनसीपी से आजिज आकर सरकार से नाता तोड़ लेंगे।

सैन्य मेडिकल कॉलेज की तर्ज पर व्यवस्था शुरू करेगी सरकार

मुंबई। राज्य में डॉक्टरों की कमी से निपटने के लिए सरकार नए मेडिकल कॉलेज खोलने के साथ-साथ ऐसे उपायों पर भी विचार कर रही है, ताकि डॉक्टरी पास करने के बाद डॉक्टर सरकारी अस्पतालों से भागें नहीं। इसी के तहत सरकार सैन्य मेडिकल कॉलेजों की तर्ज पर मेडिकल कॉलेज खोलने पर विचार कर रही है। इन मेडिकल कॉलेजों से कोर्स करने वाले सिर्फ सरकारी अस्पतालों में ही अपनी सेवाएं दे सकेंगे। यह जानकारी शुक्रवार को विधानसभा में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री राजेश टोपे ने दी।

विधानसभा में प्रश्नोत्तर काल के दौरान कांग्रेस विधायक विकास ठाकरे व अन्य सदस्यों ने सरकारी अस्पतालों में विशेषज्ञ डॉक्टरों की कमी का मुद्दा उठाया था। इस मुद्दे पर चर्चा में भाग लेते हुए नेता विपक्ष देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि ग्रामीण इलाकों में डॉक्टरों की कमी को दूर करने के लिए कई उपाय किए गए। बॉन्ड भराए गए, डॉक्टर बॉन्ड के पैसे भरने को तैयार हो जाते हैं पर ग्रामीण इलाकों में जाने से कतराते हैं। तमाम कोशिशों के बाद भी 30 से 40 फीसदी डॉक्टरों की कमी बनी रहती है। फडणवीस ने इस मामले में डॉ.वेदप्रकाश समिति रिपोर्ट की सिफारिशों का भी जिक्र किया। चर्चा का जवाब देते हुए स्वास्थ्य मंत्री टोपे ने कहा कि सरकार इस पर विचार करेगी और जरूरत हुई तो डॉक्टरों से भरवाए जाने वाले बॉण्ड की रकम को 5 लाख रुपये से बढ़ाकर 50 लाख रुपये किए जाने पर भी विचार किया जाएगा।

शिक्षा में मुस्लिम कोटे पर उद्धव सरकार में अलग-अलग राय

मुंबई। शिक्षा में मुस्लिमों को आरक्षण देने को लेकर महाराष्ट्र की महा विकास आघाडी की उद्धव ठाकरे सरकार में शुक्रवार को अलग-अलग राय नजर आई। एनसीपी के कोटे से मंत्री ने जहां शिक्षा में मुस्लिमों को 5 फीसदी आरक्षण के लिए जल्द एक कानून लाने की बात कही, वहीं शिवसेना के मंत्री ने कहा कि इस संबंध में अभी तक कोई फैसला नहीं लिया गया है। राज्य के अल्पसंख्यक विकास मंत्री नवाब मलिक ने शुक्रवार को विधानपरिषद में एक सवाल के जवाब में कहा, 'महाराष्ट्र में मुस्लिम समाज को शिक्षा में 5 प्रतिशत आरक्षण मिलेगा। इसके लिए राज्य सरकार कानून बनाएगी।' एनसीपी-कांग्रेस ने इसका स्वागत किया। इखढ के विरोध के बाद शिवसेना बैकफुट पर नजर आई। कांग्रेस के शरद रणपिसे ने प्रश्नकाल में मुस्लिमों को शिक्षा और नौकरियों में आरक्षण का सवाल उठाया। इस पर BJP के भाई गिरकर ने कहा कि मुस्लिम समाज को आरक्षण का लाभ पहले से ही मिल रहा है, तो उन्हें धर्म के नाम पर आरक्षण कैसे दिया जा सकता है? मलिक ने कहा कि पूर्व की आघाडी सरकार द्वारा दिए गए 5 प्रतिशत आरक्षण को हाई कोर्ट ने मान्यता दी थी, इसलिए सरकार मुस्लिम समाज को शैणक्षिक आरक्षण देने के लिए कानून बनाएगी। सभापति रामराजे नाईक-निंबालकर ने सरकार को इस बारे में जल्द से जल्द फैसला लेने का निर्देश दिया। हालांकि विधानपरिषद में नवाब मलिक की घोषणा के बाद शिवसेना नेता और वरिष्ठ मंत्री एकनाथ शिंदे ने विधानभवन परिसर के बाहर पत्रकारों से कहा, ' किसी समुदाय को आरक्षण देने के योजनागत फैसले पर महा विकास अघाड़ी नेता एक साथ विचार करेंगे। अभी तक ऐसा कोई निर्णय नहीं लिया गया है।' राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री और विरोधी दल नेता देवेंद्र फडणवीस ने पत्रकारों से कहा कि धर्म के आधार पर किसी को आरक्षण देने का प्रावधान नहीं है।

फडणवीस को कोई नैतिक अधिकार नहींः खान

मुंबई। महाराष्ट्र के पूर्व अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री नसीम खान ने शिक्षा में मुस्लिमों को आरक्षण दिए जाने का स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि मुस्लिम आरक्षण पर बोलने का नेता विपक्ष देवेंद्र फडणवीस को कोई नैतिक अधिकार नहीं है। मुस्लिम समाज की 50 पिछड़ी उप जातियों के बच्चों को शिक्षा में दिया गया 5 प्रतिशत आरक्षण कानूनन सही है। हाई कोर्ट ने भी इसे सही माना है। लेकिन फडणवीस सरकार ने जानबूझकर मुस्लिम बच्चों को पिछले पांच साल तक आरक्षण के लाभ से दूर रखा।

नसीम खान ने कहा कि कांग्रेस-राकांपा सरकार ने जो मुस्लिम आरक्षण का जो अध्यादेश निकाला था उसे कानून में परिवर्तित नहीं किया। अब जब वापस महा विकास आघाडी की सरकार इस पर कानून बनाने जा रही है, तो फडणवीस विपक्ष में बैठकर इसे धार्मिक रंग दे रहे हैं। नसीम खान ने कहा कि कांग्रेस-राकांपा सरकार ने 2014 से पहले मोहम्मद उर्र रहमान समिती स्थापित की थी।

इस समिति की रिपोर्ट के आधार पर ही मुस्लिम समाज की 50 पिछड़ी उपजातियों के विद्यार्थियों को पांच प्रतिशत आरक्षण देने का निर्णय तत्कालीन कांग्रेस-राकांपा सरकार ने लिया था और अध्यादेश जारी किया था। इसमें कही भी धर्म के आधार पर आरक्षण देने की बात नहीं की गई है। इस आरक्षण का आधार सिर्फ और सिर्फ पिछड़ापन है और महा विकास आघाडी सरकार मुस्लिम समाज की पिछड़ी उपजातियों को आरक्षण देने के लिए कटिबद्ध है।

राज्यसभा के लिए शरद पवार और फौजिया खान के नाम!

मुंबई। आगामी 26 मार्च को महाराष्ट्र की 7 राज्यसभा सीटों के लिए होने वाले चुनाव में राकांपा प्रमुख शरद पवार और उनकी पार्टी की ही नेता फौजिया खान के नाम तय कर लिए गए हैं। शरद पवार का राज्यसभा का कार्यकाल अप्रैल में खत्म हो रहा है। पार्टी ने उन्हें फिर से राज्यसभा भेजने का फैसला किया है। वहीं राकांपा के राज्यसभा सदस्य माजिद मेमन का कार्यकाल खत्म होने के कारण खाली हो रही दूसरी सीट पर पार्टी ने मुस्लिम महिला चेहरा उतारने का फैसला किया है। फौजिया खान पूर्व मंत्री है।

बता दें कि महाराष्ट्र की जो सात सीट खाली हो रही हैं, उसमें से चार महा विकास आघाडी की है। इसमें से भी राकांपा की दो और शिवसेना-कांग्रेस की एक-एक सीट है। राकांपा ने दोनों सीटों पर अपने उम्मीदवार तय कर लिए हैं, वहीं शिवसेना और कांग्रेस से कौन उम्मीदवार होगा यह साफ नहीं है। हालांकि यह पहला मौका है, जब शिवसेना, राकांपा और कांग्रेस तीनों मिलकर यह चुनाव लड़ने वाले हैं। भाजपा की जो सीटें खाली हो रही हैं, उसमें से एक सीट के लिए केंद्रीय मंत्री रामदास आठवले का नाम तय माना जा रहा है, दूसरी सीट के लिए भाजपा के मौजूदा राज्यसभा सदस्य संजय काकडे प्रयत्नशील है।

भीमा कोरेगांव हिंसा मामले में दर्ज 348 केस सरकार ने लिए वापस

राकांपा काफी समय से कर रही थी मांग

संवाददाता

पुणे। जनवरी 2018 में पुणे के भीमा कोरेगांव में हुई हिंसा के मामले में दर्ज कुल 649 केस में से सरकार ने 348 मामले वापस ले लिए हैं। इस हिंसा में एक शख्स की मौत और करोड़ों की संपत्ति का नुकसान हुआ था। भीमा कोरेगांव हिंसा मामले में दर्ज केस को वापस लेने की मांग राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी(राकांपा) की ओर से काफी समय पहले से की जा रही थी। राकांपा राज्य में महाराष्ट्र विकास अघाड़ी सरकार का हिस्सा है। बता दें कि, इस मामले की जांच केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा एनआईए को सौंपी गई है। गुरुवार को राज्य के गृहमंत्री अनिल देशमुख ने बताया कि इसी के साथ मराठा आरक्षण के लिए हुए आंदोलनों में दर्ज 548

मामलों में से 460 और नाणार में रिफाइनरी प्रोजेक्ट के खिलाफ हुए आंदोलन में दर्ज 5 में से 3 मामले वापस लेने का ऐलान किया है। कांग्रेस के गटनेता शरद रणपिसे ने भीमा कोरेगांव केस की वर्तमान स्थिति पर सदन में सवाल उठाया था। इसका जवाब देते हुए गृहराज्य मंत्री देशमुख ने यह बातें कहीं। देशमुख ने यह भी कहा कि अलग-अलग आंदोलनों में दर्ज केस की समीक्षा जारी है। इस फैसले के बाद भाजपा को फिर एक बार सरकार को घेरने का मौका मिल गया है। इससे पहले विधानसभा सत्र के पहले दिन भाजपा विधायकों ने किसानों की कर्जमाफी, महिला सुरक्षा और कई अन्य मुद्दों को लेकर विधानसभा के बाहर प्रदर्शन किया था।

1 जनवरी 2018 को पुणे में हुई थी हिंसा: 31 दिसंबर 2017 को यलगार परिषद सम्मेलन का आयोजन किया गया था। इसमें दिए गए भड़काऊ भाषणों के कारण अगले दिन 1 जनवरी 2018 को पुणे जिले के भीमा कोरेगांव युद्ध स्मारक के निकट हिंसा हुई थी। इसमें एक युवक की जान चली गई थी। साथ ही करोड़ों की सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान हुआ था।

मनसे का ऐलान- अवैध पाकिस्तानियों और बांग्लादेशियों की सूचना देने वाले को 5 हजार रु इनाम देंगे

औरंगाबाद। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना ने अवैध बांग्लादेशियों और पाकिस्तानियों के खिलाफ एक बड़ी मुहिम शुरू की है। मनसे की ओर से औरंगाबाद में पार्टी के नए ऑफिस के सामने एक पोस्टर लगाया गया है, जिसमें लिखा गया है कि जो भी शहर में रहने वाले अवैध बांग्लादेशियों और पाकिस्तानियों की पहचान पार्टी को बताता है तो उसे 5 हजार रुपए का इनाम दिया जाएगा। पार्टी की ओर से कहा गया है कि जानकारी देने वालों की पहचान भी गुप्त रखी जाएगी। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के शहर अध्यक्ष सतनाम सिंह गुलाटी ने बताया कि मनसे का यह ऑफिस औरंगाबाद में पार्टी की गतिविधियों का आधिकारिक केंद्र होगा, जिसका उद्घाटन गुरुवार को ही किया गया है। यह पोस्टर उस वक्त लगाया गया है, जबकि देश के अलग-अलग हिस्सों में सीएए और

एनआरसी को लेकर विरोध और समर्थन का दौर चल रहा है। गुलाटी ने कहा कि फिलहाल मनसे के पास ऐसे किसी शख्स की जानकारी नहीं है, जो कि अवैध रूप से यहां रह रहा हो। अगर किसी नागरिक से जानकारी मिलती है तो उसे पकड़कर पुलिस के हवाले किया जाएगा। राज ठाकरे की महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना वर्तमान में महाराष्ट्र के स्थानीय निकाय चुनाव में बड़ी जीत हासिल करने के लिए रणनीति बनाने में जुटी है। मनसे इससे पहले पुणे, मुंबई में भी अवैध बांग्लादेशियों के खिलाफ मुहिम चलाकर झुग्गियों में रहने वालों के आईकार्ड चेक कर चुकी है। पुणे में पार्टी की ओर से जगह-जगह पोस्टर भी लगे हैं। यहां शहर के बालाजी नगर में मनसे कार्यकर्ताओं ने कुछ घरों में जाकर जबरन आईकार्ड चेक किए थे, जिसके बाद 7 मनसे कार्यकर्ताओं पर केस भी दर्ज किया गया था।

(पृष्ठ 1 का शेष)

'हारे तो कराई हिंसा'

बता दें कि दिल्ली हिंसा में अब तक 42 लोगों की मौत हो चुकी है और करीब 200 लोग घायल हैं। हर गुजरते दिन के साथ मरने वालों का आंकड़ा भी बढ़ता हुआ दिख रहा है। अस्पतालों भर्ती बहुत से ऐसे लोग मौत के मुंह में समाते जा रहे हैं, जो गंभीर रूप से घायल हैं। वहीं नालों और जले हुए घरों-गाड़ियों से भी शव बरामद हो रहे हैं। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री और एनसीपी के नेता अजित पवार ने मुंबई में कहा, 'बृहन्मुंबई म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन (बीएमसी) में शिवसेना नंबर वन पार्टी है और उन्हें वहां बने रहना चाहिए क्योंकि वे हमारे साथ गठबंधन में हैं लेकिन एनसीपी को बीएमसी चुनाव में दूसरे स्थान पर आने का प्रयास करना चाहिए।' अजित पवार ने यह भी कहा, 'एनसीपी कार्यकर्ताओं को हमारे सहयोगियों के बारे में किसी भी तरह की गलतफहमी नहीं होनी चाहिए क्योंकि आने वाले दिनों में हमें साथ मिलकर चुनाव लड़ना है।' उधर, बीजेपी विधायक आशीष शेलार ने कहा था कि विधानसभा चुनाव में बीजेपी मुंबई की सर्वाधिक 17 सीटें जीत कर नंबर एक पार्टी बनी है। मुंबई के सभी 227 वॉर्ड अध्यक्षों के चुनाव को लेकर रणनीति बनाई गई है, जिससे आनेवाले महानगरपालिका चुनाव में हम अपनी ताकत दिखा सकें।

नए पुलिस कमिश्नर के लिए शिवसेना पर...

एक आईपीएस अधिकारी ने इस संबंध में जानकारी देते हुए बताया, 'हमारी जानकारी यह है कि शिवसेना, पुलिस कमिश्नर के पद के लिए के. वेंकटाशम के पक्ष में थी। लेकिन एनसीपी की पसंद के आगे शिवसेना को झुकना पड़ा।' बता दें कि महाराष्ट्र सरकार ने सीनियर आईपीएस परमबीर सिंह को मुंबई पुलिस कमिश्नर नियुक्त किया है। 1988 बैच के आईपीएस अधिकारी परमबीर सिंह को अंडरवर्ल्ड के नेटवर्क की गहरी जानकारी है। परमबीर अभी ऐंटी करप्शन ब्यूरो के डीजीपी के पद पर नियुक्त थे। इससे पहले वह ठाणे के पुलिस कमिश्नर भी रह चुके हैं। सूत्रों के अनुसार एल्गार परिषद मामले और अजित पवार के खिलाफ सिंचाई घोटाले के मामले में 'अनुकूल' परिणामों की वजह से ही एनसीपी ने परमबीर सिंह की जोरदार तरीके से पैरवी की। परमबीर सिंह ने अडिशनल डीजीपी (कानून व्यवस्था) के तौर पर एल्गार परिषद केस में प्रेस कॉन्फ्रेंस का आयोजन करते हुए आरोपियों के खिलाफ 'सबूत' दिए थे। वहीं वेंकटाशम की अगुवाई में पुणे पुलिस ने ऐक्टिविस्ट्स के खिलाफ मामला दर्ज किया था। वहीं एनसीपी चीफ शरद पवार ने दावा किया था कि ऐक्टिविस्ट्स को फंसाया गया है। उन्होंने पुणे पुलिस की भूमिका की जांच की मांग करते हुए एसआईटी गठित करने की मांग की थी।

अफवाहों के चलते दिल्ली में जगह-जगह तनाव

वहीं दिल्ली पुलिस ने भी फौरन ट्वीट कर लोगों से अफवाह पर ध्यान न देने की अपील की। दिल्ली पुलिस ने कहा कि हालात पूरी तरह सामान्य है। कहीं से भी हिंसा की खबर नहीं है। सोशल मीडिया पर जो लोग अफवाह फैला रहे, उन पर नजर रखी जा रही। सबसे पहले शाम 7.53 पर जब दिल्ली मेट्रो ने तिलक नगर मेट्रो स्टेशन बंद करने की जानकारी दी तो यह स्पष्ट नहीं था कि किन कारणों से ऐसा किया गया है? डीएमआरसी ने बस इतनी जानकारी दी थी कि सुरक्षा कारणों से तिलक नगर के एंट्री और क्लोजिंग गेट को बंद किया गया है। इसी बीच 8.17 मिनट पर साउथ डीसीपी ने भी एक ट्वीट किया। उन्होंने लिखा, अफवाह सबसे बड़ा दुश्मन है। एक अफवाह फैल रही है कि पश्चिमी दिल्ली के ख्याला-रघुबीर नगर में तनाव फैल गया है। लेकिन यह सच नहीं है। सभी लोगों से अनुरोध है कि वो शांत रहें, माहौल पूरी तरह शांत है। जब तक लोगों को यह बात समझ में आती, दिल्ली मेट्रो ने छह और मेट्रो स्टेशन- नांगलोई, सुरजमल स्टेडियम, बदरपुर, तुगलकाबाद, उत्तम नगर पश्चिम और नवादा स्टेशन बंद कर दिए। इस बारे में ऊटफउ ने 8.22 मिनट पर एकर और ट्वीट किया। हालांकि थोड़ी देर बाद ही 8.40 मिनट पर ऊटफउ ने एक और ट्वीट किया। उन्होंने बताया कि सभी मेट्रो स्टेशन फिर से खोल दिए गए हैं। बाद में दिल्ली पुलिस प्रवक्ता एमएस रंधावा ने तनाव को लेकर अपना स्पष्टीकरण जारी किया। उन्होंने बताया, हमें पश्चिमी दिल्ली, दक्षिण-पूर्वी दिल्ली, मदनपुर खादर, राजौरी गार्डन, हरी नगर और ख्याला से कुछ डराने वाली खबर मिली है। कृपया कर इन बातों पर भरोसा ना करें। पुलिस सोशल मीडिया की मॉनिटरिंग कर रही है। अफवाह फैलाने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

दांव पर लगी राम की मर्यादा

भारतीय संस्कृति में भगवान राम को मर्यादा पुरुषोत्तम के रूप में देखा जाता है। गाँव गाँव उनकी कथा इसलिए कही जाती है ताकि राजनेता से लेकर आम जनता मर्यादा का पालन करना सीखे। परंतु, बीते एक दशक से राम की मर्यादा को तार-तार किया जा रहा है। डर इस बात का है कि कहीं राम को दंगाई के रूप में लोग न देखने लगें। बीते कई सालों से राम जी के चाहने वालों की तादाद में भारी इजाफा हुआ है। उनके नाम पर जमकर राजनीति भी हुई और सत्ता पर काबिज होने के लिए दुरुपयोग भी। स्थिति यहाँ तक आ पहुंची है कि बीते कुछ सालों से लोगों को डराने के लिए राम के नारे लगाए जा रहे हैं। उनके नाम पर जहर उगला जा रहा है। दंगाई लोगों की जान ले रहे हैं घर फूंक रहे। उन्हें रोकने टोकने वाला कोई नजर नहीं आ रहा। यह राम को चाहने वालों का न तो आचरण हो सकता और न बोल। अफसोस ,इस मामले में साधु और संत समाज मौन स्वीकृति राम की मर्यादा को धूमिल कर रही है। हालांकि, इन परिस्थितियों के लिए यदि संघ और उनसे जुड़े संगठनों को जिम्मेदार ठहराया जाए तो अतिश्योक्ति नहीं होगी। उन्होंने ने साधुओं और साध्वियों का प्रयोग जहर उगलने के लिए किया जो निरंतर जारी है। इन लोगों ने अमर्यादित भाषा का प्रयोग करना राजनेताओं तक को सिखा दिया। अब धड़ल्ले से इसका इस्तेमाल किया जा रहा है। इससे सबसे बड़ा नुकसान राम की छवि पर पड़ रहा है। देश की नई पीढ़ी राम के नारे दहशत और दंगे के लिए कर रही है। बुद्धिजीवियों से लेकर समाज सुधारक खामोशी से तमाशा देख रहे हैं। मीडिया की भूमिका किसी से छिपी नहीं है । क्योंकि वह राजसत्ता के रंग में रंग चुकी है। वही विपक्षी दल हताश हैं। बस, राम ही कोई रास्ता निकाल सकते हैं। क्योंकि उन्होंने दबे कुचले, गिरीजनों, आदिवासियों की आवाज सुनी थी।

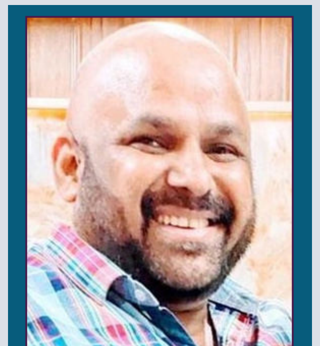

दिलशाद एस. खान
संपादक

दिल्ली हिंसा: नहरों से 3 और शव बरामद, मृतकों की संख्या 45 हुई

सीबीएसई हिंसा प्रभावित इलाकों में दोबारा परीक्षा करवाएगा

पुलिस ने रविवार को दो नहरों से चार शव बरामद किए।एक शव गोकुलपुरी नहर से और दो शव भगीरथी विहार कॉलोनी से बरामद हुए। मृतकों की पहचान अभी नहीं हो पाई है। हिंसा में मरने वालों की संख्या 45 हो गई है, 200 से ज्यादा लोग घायल है।इस बीच, केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने दिल्ली हिंसा से प्रभावित इलाकों के छात्रों की दोबारा परीक्षा कराने का फैसला लिया है। पुलिस ने कहा कि उत्तर पूर्वी दिल्ली के हिंसा प्रभावित क्षेत्रों में फिलहाल शांति कायम है। प्रशासन ने यहां एक महीने के लिए धारा-144 लगाई है, लेकिन शनिवार सुबह इसमें 4 घंटे की छूट दी गई थी। पुलिस ने अब तक 254 एफआईआर दर्ज कीं, 903 से ज्यादा लोगों को हिरासत में लिया है। पिछले दो

दिन में उत्तर पूर्वी जिले से हिंसा का कोई मामला सामने नहीं आया है। पुलिस लोगों से सोशल मीडिया पर फैलाई जाने वाले अफवाहों पर ध्यान न देने और इसकी शिकायत अधिकारियों से करने के लिए कह रही है। सीबीएसई ने कहा कि दो मार्च से पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत परीक्षाएं होंगी। हिंसा प्रभावित इलाकों में अभी स्थिति सामान्य होने में समय लगेगा। ऐसे में जो छात्र सात मार्च तक परीक्षा नहीं दे पाएंगे, उनकी सूची स्कूलों से मांगी गई है। इन छात्रों के लिए दोबारा परीक्षा कराएंगे। इससे पहले हिंसा प्रभावित क्षेत्र के बच्चों ने एडमिट कार्ड और किताबें न होने की शिकायत की थी। बच्चों की परीक्षा का मामला कोर्ट भी पहुंचा था। कोर्ट ने कहा था मौजूदा समय में बोर्ड परीक्षाएं दूसरे सेंटर पर कराना सही विकल्प नहीं होगा। दिल्ली के कार्यकारी पुलिस आयुक्त एसएन श्रीवास्तव ने दिल्ली हिंसा में घायल शहादरा के डीसीपी अमित शर्मा के स्वास्थ्य की जानकारी ली। डीसीपी शर्मा 2010 बैच के आईपीएस अधिकारी हैं। दिल्ली हिंसा के दौरान 24 फरवरी को वे गोकुलपुरी में तैनात थे। दंगाइयों ने उनपर हमला किया था। उनके हाथ और सिर में चोटें आई थी।सोमवार को उन्हें पटपड़गंज स्थित मैक्स अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां उनकी सर्जरी की गई थी।दंगाइयों ने डीसीपी शर्मा को घायल करने के साथ ही पुलिस की गाड़ी में आग लगा दी थी।

दंगे में आतंकी संगठनों के स्लीपर सेल के शामिल होने का शक: दिल्ली दंगे की जांच में शक की सुई आतंकी संगठनों की स्लीपर सेल की ओर घूम रही है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के 36 घंटे भारत में रहने के दौरान हिंसा चरम पर थी। उनकी वापसी के तुरंत बाद हिंसा कम होने लगी। जांच एजेंसियां इसे इत्तेफाक नहीं मान रहीं। हिंसा की टाइमिंग और व्यापकता को देखते हुए यह महज दंगे का मामला नहीं माना जा रहा। हालांकि, गृह मंत्रालय ने इसकी पुष्टि नहीं की है। सूत्रों के मुताबिक, हिंसाग्रस्त इलाकों में आतंकियों की स्लीपर सेल थीं। ट्रम्प की यात्रा के दौरान इन्हें सक्रिय किया गया। गोली लगने से 13 मौतें होना भी आतंकी साजिश का संकेत माना जा रहा है। पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया की भूमिका भी जांची जा रही है।

अभिनेत्री सुभद्रा मुखर्जी ने भाजपा से इस्तीफा दिया: बंगाली अभिनेत्री सुभद्रा मुखर्जी ने दिल्ली हिंसा का हवाला देते हुए भाजपा से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने कहा कि वह ऐसी पार्टी में नहीं रह सकती जिसमें कपिल मिश्रा और अनुराग ठाकुर जैसे नेता हों। मुखर्जी ने अपना इस्तीफा शुक्रवार को भाजपा के पश्चिम बंगाल के अध्यक्ष दिलिप घोष को सौंपा था। मुखर्जी ने रविवार को कहा कि मैं बहुत उम्मीद के साथ भाजपा में शामिल हुई थी लेकिन, हाल की कुछ घटनाओं से निराश हूं। भाजपा अपनी विचारधारा से दूर होती जा रही है। मैं संसद में नागरिकता संसोधन कानून (सीएए) पारित कराने के लिए सरकार के साथ थी। हालांकि सरकार ने इसका जैसे प्रचार किया उसके खिलाफ हूं। इससे देश में अशांति फैली। उन्होंने कहा कि आखिर भारत के आजाद होने के इतने साल बाद हमें अपनी नागरिकता साबित करने के लिए दस्तावेज क्यों दिखाने चाहिए?

19 वें ट्रांसमीडिया गुजराती स्क्रीन ऐंड स्टेज अवार्ड में लगा फिल्म और टीवी सितारों का जमावड़ा

ट्रांसमीडिया गुजराती स्क्रीन ऐंड स्टेज अवार्ड में हर साल बड़े बड़े स्टार शामिल होते हैं। लगभग दो दशक से हर साल गुजराती फिल्म के कलाकारों और टेक्नीशियंस को अवार्ड से सम्मानित किया जा रहा है. 19 वे अवार्ड का आयोजन मुंबई के ट्यूलिप स्टार होटल में किया गया तो यहां फिल्मी सितारों, मीडिया कर्मियों की भारी संख्या मौजूद थीं। इस अवॉर्ड फंक्शन में हजारों लोग शरीक हुए। ट्रांसमीडिया के मैनेजिंग डायरेक्टर जस्मिन शाह ये अवार्ड पिछले 19 वर्षों से बड़े भव्य तरीके से करते आ रहे हैं। 19 वें गुजराती फिल्म ऐंड टीवी अवॉर्ड्स में लीजेंड एक्ट्रेस बिंदु, एक्ट्रेस डेजी शाह, निर्माता आनंद पंडित, अनूप जलोटा, दीपशिखा, सिंगर भूमि त्रिवेदी इत्यादि ने शिरकत की। ब्राईट आउटडोर के योगेश लखानी, पेन वीडियो के जयंतीलाल गाड़ा, मनोज देसाई, आनंद गोराडिया, सुजाता मेहता, उस्मान मीर, निहारिका रायजादा, उर्वशी सोलंकी, दिव्या द्विवेदी, दिनेश लाम्बा, कुरुष देबू व अन्य मेहमान और कलाकार इस अवार्ड में आये। बॉलीवुड के दबंग सलमान खान के साथ 'जय हो' में स्क्रीन शेयर कर चुकी बॉलीवुड एक्ट्रेस डेजी शाह को बेस्ट अभिनेत्री का ट्रांसमीडिया गुजराती स्क्रीन ऐंड स्टेज अवार्ड मिला। आपको याद दिला दें कि डेजी ने गुजराती फिल्म 'गुजरात 11' से गुजराती फिल्म इंडस्ट्री में अपना डेब्यू किया. लेखक निर्देशक जयंत गिलाटर की यह मूवी एक स्पोर्ट्स ड्रामा फिल्म है. इस फिल्म को यश शाह , हरीश पटेल, एम एस जॉली और जयंत गिलटर द्वारा प्रोड्यूस किया गया था। मौलिक नायक को सर्वश्रेष्ठ एक्टर का खिताब मिला फिल्म मोंटू नी बिट्टू के लिए। गुजरात ११ को बेस्ट फिल्म का अवार्ड मिला वहीं मोंटू नी बिट्टू को रेड एफ एम व्यूअर्स अवार्ड मिला। आनंद पंडित को गोविंदभाई पटेल महारथी अवार्ड से नवाजा गया। आपको बता दें कि इस साल गुजराती रंगमंच और फिल्म इंडस्ट्री से जुड़ी हस्तियों का हौसला और सम्मान बढ़ाने वाले प्रतिष्ठित पुरस्कार समारोह ट्रांसमीडिया गुजराती स्क्रीन एंड स्टेज अवाड्र्स को 19 साल कंप्लीट हो गए। जस्मीन शाह ने साल 2001 से ट्रांसमीडिया गुजराती स्क्रीन एंड स्टेज अवाड्र्स की शुरूआत की थी और 29 फरवरी 2020 को ट्रांसमीडिया गुजराती स्क्रीन एंड स्टेज अवाड्र्स ने अपना 19 वर्षों का लंबा और कामयाब सफर पूरा कर लिया। यहां कई कलाकारों की अच्छी परफॉर्मेंस भी देखने को मिली। सिंगर भूमि त्रिवेदी को बेस्ट सिंगर का अवॉर्ड मिला तो उन्होंने यह सम्मान स्वीकार करने के बाद ट्रांसमीडिया गुजराती स्क्रीन एंड स्टेज अवाड्र्स का शुक्रिया अदा किया, साथ ही स्टेज पर उन्होंने अपनी आवाज में गाकर वहां मौजूद हजारों लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस अवॉर्ड शो के ब्रॉडकास्ट पार्टनर कलर्स गुजराती और कलर्स गुजराती सिनेमा चैनल्स हैं।

4 दिन से जारी आयकर छापामारी के बीच मुख्यमंत्री बघेल ने दिल्ली में सोनिया गांधी से चर्चा की, कहा- कार्रवाई संघीय व्यवस्था के खिलाफ

छत्तीसगढ़ में अफसरों, नेताओं और कारोबारियों के यहां 4 दिन से चल रही आयकर विभाग की छापामार कार्रवाई के बीच मुख्यमंत्री भूपेश बघेल दिल्ली पहुंचे। रविवार की शाम को उन्होंने कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी से मुलाकात की। उन्होंने कहा, मैंने राष्ट्रीय अध्यक्ष को घटनाक्रम की जानकारी दे दी है। राज्य सरकार इस पर कानून के जानकारों से चर्चा करके कार्रवाई करेगी। हमें छापे की जानकारी नहीं दी गई। यह संघीय व्यवस्था के खिलाफ है। बघेल के बयान के बाद अटकलें लगाई जा रही हैं कि आयकर विभाग की इस कार्रवाई के खिलाफ छत्तीसगढ़ सरकार कोर्ट जा सकती है। इससे पहले, दोपहर में कांग्रेस प्रवक्ता रणदीप सिंह सुरजेवाला

ने दिल्ली में प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने छत्तीसगढ़ में आयकर विभाग के छापों को राज्य की कांग्रेस सरकार के खिलाफ साजिश बताया। भूपेश बघेल शनिवार को भी सोनिया गांधी से मिलने के लिए दिल्ली रवाना हुए थे। लेकिन, दिल्ली में मौसम खराब हो जाने की वजह से उनकी फ्लाइट जयपुर डायवर्ट हुई थी। इसके बाद वे रायपुर लौट आए थे। आयकर ने 27 फरवरी को सुबह छत्तीसगढ़ में अफसरों, नेताओं और कारोबारियों के यहां छापे मारे थे। 13 लोगों के 32 ठिकानों पर छापे मारे गए थे। इनमें रायपुर के मेयर एजाज ढेबर, पूर्व मुख्य सचिव विवेक ढांड, आईएएस अनिल टुटेजा, सीए अजय सिंघवानी, होटल कारोबारी गुरुचरण सिंह होरा, मेयर के भाई अनवर ढेबर, डॉ. ए फरिश्ता, सीए संजय संचेती और सीए कमलेश जैन के नाम प्रमुख हैं। इन सभी लोगों को मुख्यमंत्री भूपेश बघेल का नजदीकी बताया जा रहा है। इसके बाद राज्य की कांग्रेस सरकार ने छापों को लेकर केंद्र सरकार पर हमला शुरू किया।

अपाचे जैसे 500 लड़ाकू हेलिकॉप्टर बनाने की योजना पर काम कर रहा एचएएल, 2023 तक प्रोटोटाइप तैयार करेगा

हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) भारतीय वायुसेना के लिए 500 लड़ाकू हेलिकॉप्टर बनाएगा। एचएएल ने बताया कि सरकार अगर इस प्रोजेक्ट को मंजूरी देती है तो 2023 तक इसका पहला प्रोटोटाइप तैयार कर लिया जाएगा और 2027 तक 10-12 टन के इन हेलिकॉप्टरों का निर्माण शुरू हो जाएगा। एचएएल के मैनेजिंग डायरेक्टर आर माधवन ने रविवार को बताया कि इस प्रोजेक्ट पर काम शुरू कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि इस प्रोजेक्ट का मकसद लड़ाकू हेलिकॉप्टरों के आयात में चार लाख करोड़ रुपए तक की कमी लाना है। माधवन ने कहा, हमने इस बड़े प्रोजेक्ट का प्रारंभिक डिजाइन तैयार कर लिया है। सरकार इस साल प्रोजेक्ट को मंजूरी देती है तो 2023 में पहला प्रोटोटाइप तैयार कर लिया जाएगा। हमारी योजना कम से कम 500 हेलिकॉप्टर का निर्माण करने की है। माधवन ने कहा, एमआई-17 के बेड़े को रिप्लेस करने के लिए 10 से 12 टन श्रेणी के हेलिकॉप्टर का निर्माण किया जाएगा। इसका निर्माण

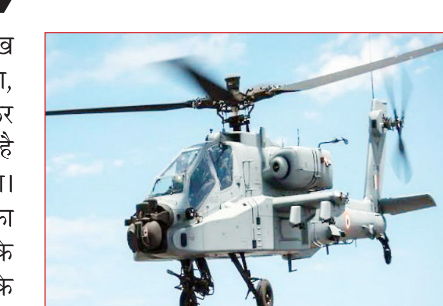

देश में ही किया जाना है। हेलिकॉप्टर के प्रोटोटाइप के निर्माण और डिजाइन पर 9,600 करोड़ रुपए खर्च होंगे। अगर हमें 2020 में अनुमति मिल जाती है तो हम पहले हेलिकॉप्टर का निर्माण 2027 तक कर लेंगे। एक सैन्य विशेषज्ञ ने तेजस सैन्य विमान के विकास के बाद इसे एचएएल का दूसरा सबसे बड़ा प्रोजेक्ट बताया। माधवन ने इस मेगा प्रोजेक्ट पर कहा, हम एयरफोर्स और नेवी के साथ भी चर्चा कर रहे हैं। 10-12 टन श्रेणी के कैटेगरी में दो बेसिक स्ट्रक्चर होंगे। नेवी वर्जन का आकार आर्मी और एयरफोर्स से अलग होगा। माधवन ने कहा कि हेलिकॉप्टर को निर्यात भी किया जा सकेगा। एमआई-17 हेलिकॉप्टर भारतीय वायुसेना के हेलिकॉप्टर के बेड़े की रीढ़ है और उन्हें 2032 तक रिप्लेस किए जाने की योजना है। एचएएल द्वारा बनाए गए युद्ध हेलिकॉप्टरों में एलसीएच (लाइट कॉम्बैट हेलिकॉप्टर) और मल्टी-रोल एएलएच (एडवांस्ड लाइट हेलिकॉप्टर) और चेतक जैसे कई हेलिकॉप्टर शामिल हैं।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

जेएनयू देशद्रोह केसः कन्हैया कुमार, उमर, अनिर्बान सहित 10 पर केस को दिल्ली सरकार ने दी मंजूरी

नई दिल्ली। केजरीवाल सरकार ने जेएनयू देशद्रोह केस में जेएनयूएसयू के पूर्व अध्यक्ष कन्हैया कुमार, उमर खालिद सहित 10 आरोपियों के खिलाफ मुकदमा शुरू करने की आखिरकार मंजूरी दे दी। केजरीवाल सरकार के प्रॉसिक्यूशन डिपार्टमेंट ने पुलिस की स्पेशल सेल को मंजूरी दी है। यह मामला करीब एक साल से दिल्ली सरकार के पास लटका हुआ था और बीजेपी लंबे समय से केजरीवाल सरकार को इस पर घेर रही थी।

उल्लेखनीय है कि 19 फरवरी को दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल ने कहा था कि देशद्रोह मामले में आरोपी कन्हैया कुमार व अन्य के खिलाफ मुकदमा चलाने को लेकर संबंधित विभाग से जल्द

फैसले लेने कहा जाएगा। केजरीवाल का बयान तब आया था जब दिल्ली की एक अदालत ने उसी दिन आप सरकार को देशद्रोह केस में मुकदमा चलाने की मंजूरी के मुद्दे पर 3 अप्रैल तक स्टेटस दाखिल करने को कहा था। कोर्ट ने दिल्ली पुलिस से कहा था कि वह सरकार को मुकदमे की मंजूरी देने की याद दिलाए।

उस समय मीडिया से बातचीत में केजरीवाल ने कहा था, 'मुझे संबंधित विभाग (गृह) से कुछ कहने का अधिकार नहीं है। मैं विभाग का फैसला नहीं बदल सकता, लेकिन मैं उन्हें इसपर जल्द से जल्द फैसला लेने को कहूंगा।'

गौरतलब है कि पुलिस ने कन्हैया कुमार, जेएनयू के पूर्व छात्रों उमर खालिद और अनिर्बान भट्टाचार्य समेत अन्य लोगों के खिलाफ अदालत में 14 जनवरी को आरोपपत्र दाखिल किया था। आरोपपत्र में कहा गया था कि आरोपियों ने 9 फरवरी, 2016 को परिसर में एक समारोह में लगाए गए देशद्रोह के नारों का समर्थन किया और जुलूस निकाला था ।

9 फरवरी 2016 को जेएनयू कैम्पस में संसद हमले के दोषी अफजल गुरू और मकबूल बट को दी गई फांसी के खिलाफ विरोध-प्रदर्शन का आयोजन किया गया था। मामले में कन्हैया, उमर खालिद और अनिर्बान को अरेस्ट किया गया था। उनपर आरोप है कि उन्होंने इस नारेबाजी का समर्थन किया था। कन्हैया उस वक्त जेएनयूएसयू के अध्यक्ष थे। इस अरेस्ट के खिलाफ देशभर में अलग-अलग यूनिवर्सिटी कैम्पस में विरोध-प्रदर्शन देखने को मिला था। हालांकि, बाद में तीनों को जमानत दे दी गई थी।

ताहिर हुसैन की बिल्डिंग का एसआईटी ने किया मुआयना, एसएफएल ने उठाए सैंपल

नई दिल्ली। नेहरू विहार के पार्षद ताहिर हुसैन की बिल्डिंग का शुक्रवार को क्राइम ब्रांच की स्पेशल इनवेस्टिगेशन टीम (एसआईटी) ने मुआयना किया। अफसरों ने बिल्डिंग का ऊपर से नीचे तक निरीक्षण किया। फोरेंसिक साइंस लैब (एसएफएल) की टीम ने भी बिल्डिंग की हरेक मंजिल से सैंपल उठाए हैं। आईबी के अंकित शर्मा के पिता ने अपने बयान में दावा किया है कि उनके बेटे को ताहिर की बिल्डिंग के भीतर खींचा था। हत्या भी इसी बिल्डिंग में किए जाने का दावा किया गया है। इसलिए एसआईटी की टीम ने इसी बिल्डिंग से सबूत जुटाने की शुरूआत की। अगर आसपास हत्या हुई होगी तो वहां अंकित के खून से सैंपल जरूर मिलेंगे। कुछ अफसरों ने उस नाले का भी निरीक्षण किया, जहां से अंकित की लाश बरामद हुई थी। इस दौरान पुलिस की कई टीमें ताहिर की तलाश में जुट गई हैं, जो अभी तक पकड़ में नहीं आए हैं।

डीसीपी जॉय टिर्की की टीम ने सिलसिलेवार तरीके से मुआयना किया। जांच में जुटे एक अफसर ने बताया कि अंकित के पिता ने अपने बयान में हत्या पार्षद ताहिर के बिल्डिंग में किए जाने की बात कही है। इसलिए जांच की शुरूआत यहीं से की गई है। एसआईटी ने बिल्डिंग के हरेक हिस्से का मुआयना कर यह बता लगाने की कोशिश की है कि कहां पर हत्या को अंजाम दिया गया है। हत्या में चाकू और कुल्हाड़ी जैसे धारदार हत्यारों का इस्तेमाल होने की बात सामने आई है। इससे जाहिर है कि जिस जगह पर हत्या को अंजाम दिया गया होगा, वहां पर खून के छींटे जरूर होंगे।

यह पूछने पर कि क्या ऐसा कुछ जांच में सामने आया है, अफसर ने कहा कि अभी कुछ भी कहना जल्दबाजी होगी। उन्होंने बताया कि एफएसएल की टीम को इसी लिए बुलाया गया था, ताकि वो सैंपल उठाकर ले जाए। इन नमूनों की जांच से कुछ कहानी बाहर आ सकती है। अंकित की बॉडी जिस नाले में मिली थी, जांच अफसरों ने उसका भी निरीक्षण किया। आसपास के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली जा रही है और इलाके में सक्रिय रहे मोबाइल फोन के डंप डेटा की भी जांच की जा रही है। अफसरों का कहना है कि ताहिर की तलाश में दबिश दी जा रही हैं, जिसे जल्द दबोच लिया जाएगा।

उपद्रवियों को तलाशने में चूके तो नपेंगे अफसर

लखनऊ। राजधानी में नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) के विरोध में प्रदर्शन के दौरान उपद्रव करने वालों को तलाशने में नाकाम अधिकारियों पर भी कार्रवाई होगी। शासन ने पुलिस से लेकर प्रशासन तक के अधिकारियों की जिम्मेदारी तय कर दी है। शासनस्तर पर उपद्रवियों के खिलाफ अब हुई कार्रवाई की समीक्षा भी शुरू हो गई है।

सीएए के विरोध में 19 दिसंबर को परिवर्तन चौक, खदरा और हुसैनाबाद में उपद्रव के दौरान कई वाहन और पुलिस चौकियों तक फूंक दी गई थीं। शासन ने उपद्रवियों को चिह्नित कर उनसे नुकसान की भरपाई के निर्देश दिए थे। आरोपितों को चिह्नित कर उनके खिलाफ साक्ष्य जुटाने की जिम्मेदारी बीट इंचार्ज, थाना प्रभारी, सीओ व पुलिस के सीनियर अफसरों को सौंपी गई थी। इसके साथ ही दोषी पाए गए लोगों से नुकसान की भरपाई करवाने की जिम्मेदार प्रशासनिक अफसरों को सौंपी गई है। लापरवाही मिलने पर पुलिस व प्रशासनिक अधिकारियों के खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी।

खदरा में उपद्रवियों ने मदेयगंज पुलिस चौकी के साथ ही कई गाड़ियां भी फूंक दी थीं। इसके अलावा पथराव व तोड़फोड़ भी किया था। उपद्रव में करीब दस हजार लोगों के शामिल होने की आशंका जताई गई। हालांकि पुलिस महज 13 लोगों के खिलाफ सबूत जुटा पाई है।

परिवर्तन चौक पर हुई आगजनी व तोड़फोड़ में 24 लोगों को चिह्नित किया गया है। यहां भी काफी हंगामा हुआ था। उपद्रवियों ने रोडवेज की एक बस और न्यूज चैनल की ओबी वैन में आग लगाने के साथ ही कई गाड़ियां तोड़ डाली थीं। हुसैनाबाद में सतखंडा पुलिस चौकी फूंकने के साथ ही उपद्रवियों ने कई वाहनों में आग लगा दी थी। इस दौरान काफी तोड़फोड़ भी की गई थी। सूत्रों के अनुसार उपद्रव करने वाले कैसरबाग व ठाकुरगंज इलाके के लोग थे। ऐसे में दोनों थानों की पुलिस रिपोर्ट तैयार कर रही है। एडीएम प्रशासन एपी सिंह के अनुसार रिमाइंडर भेजकर पुलिस से रिपोर्ट मांगी गई है।

कोरोना का खौफः लखनऊ एयरपोर्ट पर रोके गए सऊदी अरब जा रहे 150 यात्री

लखनऊ। कोरोना के डर से सऊदी अरब ने भारत सहित कई देशों के लोगों की एंट्री पर रोक लगा दी है। इसके साथ ही जारी वीजा भी निलंबित कर दिए गए हैं। राजधानी के चौधरी चरण सिंह एयरपोर्ट पर गुरुवार को सऊदी अरब की फ्लाइट पकड़ने पहुंचे करीब 150 लोगों को यात्रा की अनुमति नहीं दी गई। टिकट और वीजा होने के बावजूद रोके जाने से नाराज यात्रियों ने एयरपोर्ट पर हंगामा किया।

एयरलाइंस के अधिकारियों और सीआईएसएफ जवानों ने किसी तरह समझाकर स्थिति संभाली। एयरलाइंस अधिकारियों के अनुसार सऊदी अरब सरकार ने अस्थायी रूप से अनिश्चितकालीन रोक लगाई है। चीन के बाद

कोरोना वायरस के कई देशों में फैलने की आशंका है। सऊदी अरब सरकार ने यात्रियों से वायरस पहुंचने के डर से चीन के साथ ही कोरिया, इटली, ईरान, ईराक, भारत, मलयेशिया, इंडोनेशिया, अफगानिस्तान, सिंगापुर, कजाकिस्तान, उज्बेकिस्तान, सोमालिया और वियतनाम सहित कई अन्य देशों से आने वाले यात्रियों पर रोक लगा दी है।

विदेश मंत्रालय से जानकारी मिलने पर गुरुवार को चौधरी चरण सिंह इंटरनैशनल एयरपोर्ट पर सऊदी अरब की फ्लाइट पकड़ने पहुंचे यात्रियों को रोक दिया गया। राजधानी के साथ ही कई जिलों से 150 लोग शाम करीब 5:40 बजे उड़ान भरने वाली सऊदी अरबिया एयरलाइंस की फ्लाइट (एसवी-891) पकड़ने पहुंचे थे। हालांकि सभी को प्रवेश गेट पर ही रोक दिया गया। इससे नाराज यात्रियों ने हंगामा भी किया।

एक महीने में मिले स्वाइन फ्लू के 14 नए मरीज

लखनऊ। शहर में स्वाइन फ्लू का संक्रमण बढ़ता जा रहा है। सीएमओ दफ्तर में 1 जनवरी से 28 फरवरी तक स्वाइन फ्लू के कुल 19 मरीजों की रिपोर्ट पहुंची है। इनमें चार मरीज जनवरी में सामने आए थे, जबकि फरवरी में 14 लोग इसकी चपेट में आए हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, नए मरीज सरफराजगंज, राजाजीपुरम और इंदिरानगर सहित इलाकों के रहने वाले हैं।

जनवरी में स्वाइन फ्लू के मरीज सामने आने पर स्वास्थ्य विभाग ने अलर्ट जारी किया था। सरकारी अस्पतालों में स्वाइन फ्लू वॉर्ड बनाए गए हैं। वहीं, जागरूकता के लिए अभियान चलाने के भी निर्देश दिए गए थे। इसके बावजूद एक ही महीने में 14 लोग स्वाइन फ्लू की चपेट में आ गए हैं।

छत्तीसगढ़ का मैनपाट, जहां कूदने पर कांपती है धरती और उल्टा बहता है पानी

मैनपाटः छत्तीसगढ़ का शिमला

जब कोई आप से कहता है कि उसके कूदने से धरती कांपती है, तो आप इसे मजाक समझेंगे। लेकिन अगर आप छत्तीसगढ़ में मौजूद हैं, तो आपको इस बात पर यकीन करना पड़ेगा। जी हां, छत्तीसगढ़ में एक ऐसा स्थान है, जहां कूदने पर धरती कांपती है। साथ ही यहां पानी नीचे के बजाए ऊंचाई की ओर बहता है। इस स्थान का नाम है मैनपाट और यहां हम आपको इस स्थान के बारे में सारी जानकारी दे रहे हैं।

फेमस हिल स्टेशन है मैनपाट

मैनपाट छत्तीसगढ़ के सरगुजा जिले में स्थित एक फेमस हिल स्टेशन है। मैनपाट को लोग छत्तीसगढ़ का ह्यशिमला' भी कहते हैं। बेहद खूबसूरत मैनपाट सरगुजा जिले का एक छोटा सा गांव है, जो माण्ड नदी के उद्गम स्थल भी है।

कूदने पर हिलती है धरती

मैनपाट के पास ही जलजली नाम का एक स्थान है। यहां लगभग तीन एकड़ ऐसी जमीन है, जो काफी नर्म है और इसपर कूदने पर ऐसा प्रतीत होता है धरती हिल रही है। स्थानीय लोगों का मानना है कि कभी इस स्थान पर कोई जलस्त्रोत मौजूद रहा होगा और बाद में यह स्थान ऊपर से सूख गया लेकिन अंदर जमीन दलदली रह गई, जिसके कारण ऐसा होता है।

वैज्ञानिक क्या कहते हैं?

वैज्ञानिकों का कहना है कि पृथ्वी के आंतरिक दबाव और पोर स्पेस (खाली स्थान) में सॉलिड के बजाए पानी भरे होने के कारण यह स्थान दलदली और स्पंजी लगती है। जब भी कोई व्यक्ति उस स्थान पर कूदता है तो जमीन दब जाती है और फिर वापस अपने पुराने स्वरूप में आ जाती है।

बेहद खूबसूरत है मैनपाट

मैनपाट बेहद खूबसूरत पर्यटन स्थल है। यहां आपको हर तरफ हरियाली, जंगल, नदियां, झरने नजर आएंगे। यह स्थान लोगों को काफी पसंद आता है। यहां मौजूद खूबसूरत वादियों और झरनों के कारण यहां का मौसम गर्मियों में भी काफी ठंडा रहता है।

देखें, सरभंजा फॉल की खूबसूरती

मैनपाट में माण्ड नदी पर सरभंजा फॉल स्थित है। यह स्थान इको पॉइंट या टाइगर पॉइंट के नाम से फेमस है। जिला मुख्यालय अंबिकापुर से यह स्थान 45 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है।

उल्टा बहता है पानी

मैनपाट आने वाले सैलानियों के आकर्षण का एक कारण 'उल्टा पानीह्न भी है। यह एक ऐसी जगह है, जहां पानी का बहाव नीचे के बजाए ऊपर की ओर यानी ऊंचाई की तरफ है। इस स्थान पर अगर आप अपनी गाड़ी को न्यूट्रल में खड़ी करते हैं, तो अपने आप 110 मीटर तक पहाड़ी की ओर चली जाती है।

मैग्नेटिक फील्ड ज्यादा प्रभावी

वैज्ञानिकों का कहना है कि मैनपाट में मौजूद इस जगह में गुरुत्वाकर्षण बल से ज्यादा प्रभावी मैग्नेटिक फील्ड है, जो पानी या गाड़ी को ऊपर की तरफ खींचता है। बता दें कि भारत में ऐसी सिर्फ 5 और दुनिया भर में 64 जगह हैं।

पहले भूतिया मानते थे लोग

मैनपाट की इन खूबियों के कारण कुछ साल पहले तक लोग इस जगह को भूतिया मानते थे। लेकिन राज्य पर्यटन विभाग द्वारा किए जा रहे प्रचार के कारण लोगों में जागरूकता बढ़ी है और यहां आने वाले पर्यटकों की संख्या में इजाफा हुआ है।

बेहद आसान है मैनपाट पहुंचना

छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर से मैनपाट की दूरी करीब 390 किलोमीटर है। यहां पहुंचने के लिए आपको रायपुर से अंबिकापुर आना होगा। अंबिकापुर जिला मुख्यालय पहुंच कर आप टैक्सी या बस से यहां पहुंच सकते हैं। बारिश के मौसम को छोड़कर आप कभी भी **यहां आ सकते हैं।**

छत्तीसगढ़ का तिब्बत

मैनपाट को छत्तीसगढ़ का तिब्बत भी कहा जाता हैं। यहां तिब्बती शरणार्थियों को 1962 में बसाया गया था। तिब्बती लोगों का जीवन और बौध मंदिर यहां आकर्षण का प्रमुख केंद्र है। मैनपाट कालीन और पामेरियन कुत्तों के लिए भी फैमस है।

मुंबई हलचल राशिफल

आचार्य परमानंद शास्त्री

मेष
पारिवारिक सदस्य के कारण तनाव मिल सकता है। शासन सत्ता से सहयोग लेने में सफल होंगे। व्यावसायिक प्रतिष्ठा बढेगी।

वृष
शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में किया जा रहा काम सार्थक होगा। दांपत्य जीवन में तनाव आएगा। भागदौड़ रहेगी। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा।

मिथुन
पारिवारिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। संबंधों में मधुरता आएगी। पारिवारिक जीवन सुखमय होगा।

कर्क
स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। विरोधी सक्रिय हो सकता है। जीवनसाथी का सहयोग रहेगा। पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी ।बीमारियां घेर सकती हैं।

सिंह
आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। धन, समान, यश, कीर्ति में वृद्धि होगी। मांगलिक या सांस्कृतिक उत्सव में हिस्सेदारी रहेगी।

कन्या
शिक्षा की दिशा में सफलता मिलेगी लेकिन पारिवारिक या व्यावसायिक तनाव मिल सकता है। व्यर्थ की उलझनें भी मिलेंगी।

तुला
आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। उच्च अधिकारी या घर के मुखिया से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं।

वृश्चिक
जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। शासन सत्ता का सहयोग रहेगा। व्यावसायिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। उपहार या सम्मान में वृद्धि होगी।

धनु
रचनात्मक प्रयास फलीभूत होगा। संबंधों में मधुरता आएगी। पारिवारिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। किसी मूल्यवान वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी।

मकर
शासन सत्ता से सहयोग मिलेगा। कुछ पारिवारिक या स्वास्थ्य से संबंधित परेशानी रहेगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

कुंभ
यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद होगी। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। शासन सत्ता का सहयोग रहेगा। व्यावसायिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

मीन
जीवनसाथी का सहयोग एवं सानिध्य मिलेगा लेकिन भावुकता पर नियंत्रण रखें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद होगी।

वैज्ञानिकों का अनोखा आविष्कार, अब रोबोट में भी होगा इंसानी जज्बात

वैज्ञानिक आज के दौर में नई-नई ऊंचाइयों को छू रहे हैं। कई तरह के शोध करके वे एक ऐसी चीजों को तैयार कर देते हैं, जिसकी कल्पना करना मुश्किल होता है। इसी कड़ी में जापान के वैज्ञानिक द्वारा एक ऐसा रोबोट तैयार किया गया है, जिसमें इंसानी जज्बात भी हैं।

वैज्ञानिकों द्वारा तैयार इस रोबोट का चेहरा बच्चे की तरह दिखता है। इस रोबोट की सबसे खास बात ये है कि ये रोबोट दर्द भी महसूस कर सकता है। ओसाका यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों ने इस रोबोट का वीडियो जारी किया है। इस अनोखे रोबोट का नाम 'एफेट्टो' है। इसका अर्थ स्नेह यानी प्यार होता है। वैज्ञानिकों ने दावा किया है कि जल्द ही वो दिन आएगा जब रोबोट इंसान के साथ रहेगा।

बता दें कि इस अद्भुत रोबोट को पहली बार साल 2011 में प्रदर्शित किया गया था, जिसके बाद 2018 में इसमें कई बदलाव किए गए। इस रोबोट में सिंथेटिक स्किन इलेक्ट्रिकल चार्ज के जरिए लगाई गई है। इस वजह से यह बिल्कुल इंसान की तरह दिखता है। वैज्ञानिक फिलहाल इस रोबोट में स्पर्श और दर्द महसूस करने की तंत्रिका लगा रहे हैं।

यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर असादा ने इस बारे में बताया कि अगर वैज्ञानिक ऐसा करने में सफल हो जाते हैं, तो उसके बाद इस रोबोट में नैतिकता और सहानुभूति भी लाई जा सकती है। यह रोबोट उन लोगों के काम आने वाला है, जो अकेले रहते हैं और उन्हें बच्चों की कमी खलती है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

आपकी इन्हीं 7 गलतियों की वजह से झड़ते हैं बाल

बालों को लंबा, घना और मजबूत बनाने के लिए आप क्या-क्या नहीं करती। मगर फिर भी आप हेयरफॉल जैसी परेशानी से घिरी ही रहती है क्योंकि इसका कारण कुछ और नहीं बल्कि आपके द्वारा की जाने वाली कुछ गलतियां है। भले ही जाने-अनजाने में की जाने वाली इन गलतियों पर आपने कभी गौर न किया हो लेकिन ये लगातार होती रहती हैं। इनकी वजह से बाल ना सिर्फ कमजोर पड़ते हैं बल्कि वो झड़ने भी लगते हैं।

1. काफी ज्यादा शैम्पू करना

बालों को शाइनी और सिल्की करने के लिए लड़कियां हफ्ते में 2-3 बार शैम्पू करती है। पर शायद आप यह नहीं जानती है कि इससे बाल धीरे-धीरे झड़ने लगते हैं। दरअसल, बालों को ज्यादा धोने से स्कैल्प का नेचुरल ऑयल खत्म हो जाता है और रुट्स भी कमजोर होने लगती हैं। इससे बालों में रुखापन आता है और वह बेजान हो जाते हैं।

2. टाइट हेयरस्टाइल बनाना

अगर आप भी बालों को कस कर बांधती है तो आपको बता दें कि यह भी बाल झड़ने का कारण है। टाइट बाल बांधने से जड़ें कमजोर हो जाती है, जिससे बाल झड़ने लगते हैं।

3. गलत हेयर प्रोडक्ट का इस्तेमाल

बालों के हिसाब से सही हेयर प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल न करना भी हेयरफॉल का मुख्य कारण है। जरुरी नहीं कि घर में एक ही शैम्पू सभी यूज करें। आप अपने बालों के हिसाब से प्रोडक्ट्स का चयन करें।

4. स्ट्रेटनिंग मशीन का इस्तेमाल

बालों को स्ट्रेट करने के लिए लड़कियां बार-बार प्रेसिंग मशीन का इस्तेमाल करती हैं। मगर बालों में जरुरत से ज्यादा स्टीम देने से बाल ना सिर्फ जल जाते हैं बल्कि वह कमजोर होकर टूटने भी लगते हैं।

5. ब्लो-ड्रायर का इस्तेमाल

क्या आप भी बाल सूखाने के लिए ब्लो ड्रायर का इस्तेमाल करती हैं। अगर हां तो आपको बता दें कि इससे भी बाल कमजोर हो जाते हैं क्योंकि इससे बालों को पूरा न्यूट्रिएंट नहीं मिलता, जिस वजह से वो टूटने लगते हैं।

6. अधिक कंडीशनर का इस्तेमाल

सिल्की बाल पाने के लिए लड़कियां शैंपू के बाद कंडीशनर का इस्तेमाल भी जरूर करती है लेकिन इसका ज्यादा इस्तेमाल बालों को नुकसान पहुंचाता है। दरअसल, कंडीशनर में ऐसे कैमिकल्स होते हैं, जिसकी वजह से बाल झड़ने लगते है।

7. तेल लगाकर सोना

अक्सर लड़कियां रात को हेयर मसाज करवाने के बाद तेल लगा रहने देती हैं। आपको बता दें कि रातभर ऑयल लगाकर सोने से बालों के झड़ने और डस्ट लगने का खतरा रहता है। ध्यान रखें कि बालों को धोने से 2-3 घंटा पहले ही तेल लगाएं।

जल्दी वजन कम करना चाहते हैं तो डाइट में करें ये 8 बदलाव

मोटापा न सिर्फ आपकी पर्सनैलिटी को खराब करता है बल्कि यह कई गंभीर बीमारियों का घर भी है। वजन कम करने के लिए लोग एक्सरसाइज, बैलेंस डाइट और न जाने क्या-क्या करते हैं जबकि इसके लिए आपको सिर्फ अपनी डाइट में कुछ बदलाव करने की जरूरत होती है। जी हां, बस खाने की आदतों में ही थोड़ा-सा बदलाव करके बढ़े हुए वजन को कम किया जा सकता है।

1. जंक फूड से रहें दूर

जंक फूड जैसे बर्गर, पिज्जा या न्यूडल्स खाना तो हर किसी को पसंद होता है लेकिन इसमें कैलोरी की मात्रा बहुत ज्यादा होती है, जिससे वजन बढ़ने लगता है। साथ ही जंक फूड का सेवन सेहत के भी हानिकारक होता है।

2. नट्स का सेवन

जंक फूड खाने के बजाए आप बादाम, काजू, अखरोट जैसे नट्स का सेवन करें। शोध के अनुसार, इससे 22 बादाम और 15 काजू के सेवन से वजन को कंट्रोल किया जा सकता है।

3. वेजिटेबल सलाद या सूप

हेल्थ एक्सपर्ट के अनुसार, लंच या डिनर में वेजिटेबल सलाद या सूप का सेवन जरूर करना चाहिए। सलाद में आप नट्स, एवोकेडो और ऐसी सब्जियों को शामिल कर सकते हैं। इसमें भरपूर फाइबर होता है, जिससे मोटापा जल्दी कम होता है।

4. धीरे-धीरे खाएं खाना

जल्दबाजी में भोजन न करें बल्कि खाना हमेशा आराम-आराम से करें। धीरे-धीरे भोजन करने से पेट जल्दी भर जाता है और खाने के सारे न्यूट्रिएंट्स भी शरीर को मिलते हैं। इससे वजन तेजी से कम होता है।

5. भरपूर पीएं पानी

अगर आप जल्दी वजन कम करना चाहते हैं तो दिनभर में कम से कम 3 लीटर पानी जरूर पीएं। आप चाहे तो गर्म पानी में नींबू मिलाकर भी पी सकते हैं। एक नींबू में सिर्फ 11 कैलोरी, 48 मिलीग्राम पोटेशियम और 18 मिलाग्राम विटामिन-सी होता है, जिससे एक्स्ट्रा फैट तेजी से बर्न होता है।

6. रेड मीट से भी करें परहेज

रेड मीट में बहुत ज्यादा कैलोरीज होती है, जो वजन बढ़ाने का काम करती है। ऐसे में अगर आप वजन घटाना चाहते हैं तो हफ्ते में सिर्फ 2 बार ही इसका सेवन करें।

7. ब्रेकफास्ट

अगर आपको लगता है कि ब्रेकफास्ट स्किप करने से वजन जल्दी कम होगा तो आप गलत है। जो लोग ब्रेकफास्ट नहीं करते उन्हें जल्दी और ज्यादा भूख लगती है। इससे वह ओवरइटिंग कर लेते हैं, जिससे वजन ज्यादा तेजी से बढ़ता है। ऐसे में बेहतर होगा कि आप ब्रेकफास्ट जरूर करें।

8. सॉफ्ट ड्रिंक्स

सॉफ्ट ड्रिंक में कैलोरी के साथ शुगर की भी काफी मात्रा होती है इसलिए इनसे वजन बढ़ जाता है। अगर आप वजन घटाना चाहते हैं तो सॉफ्ट ड्रिंक से दूर रहें। इसके अलावा अल्कोहल के सेवन से भी बचने की कोशिश करें।

कॉन्टेक्ट लेंस का करती हैं यूज तो ऐसे करें Eyes Makeup

आंखों की रोशनी कम होने पर कुछ लड़कियां चश्में की बजाए कॉन्टेक्ट लेंस पहनना पसंद करती हैं। वहीं कुछ लड़कियां खूबसूरती बढ़ाने के लिए कॉस्मेटिक लेंस का भी काफी यूज कर रही हैं। मगर लेंस को पहनने के बाद वह मेकअप करने से डरती है क्योंकि इससे ईंफेक्शन का खतरा रहता है। ऐसे में आज हम आपको कुछ टिप्स देंगे, जिनकी मदद से आप लेंस पहनने के बावजूद भी आराम से आईस मेकअप कर सकती हैं।

लेंस लगाने के बाद आईस मेकअप टिप्स

1. हाथों को करें साफ

मेकअप करने से पहले अपने हाथों को अच्छी तरह साफ करें और फिर उसे सुखा लें। इससे मेकअप करते समय लेंस पर दाग नहीं पड़ेंगे और ईंफेक्शन का खतरा भी नहीं रहेगा।

2. आंखों के अंदर न करें मेकअप

कुछ लड़कियां आंखों के अंदर काजल लगा लेती हैं लेकिन अगर आपने लेंस पहने है तो ऐसा न करें। इसकी वजह से आंखों में जलन हो सकती है।

3. ऑयल फ्री-प्रोडक्ट का इस्तेमाल

लेंस के साथ मेकअप करने के लिए ऑयल फ्री-प्रोडक्ट का ही यूज करें। दरअसल, ऑयल वाले प्रोडक्ट्स से निकलने वाला तैलीय पदार्थ को लेंस अवशोषित कर लेता है। इससे आपको धुंधला दिखाई देने लगता है।

4. फाइबर युक्त मस्कारा

आईस मेकअप के लिए फाइबर युक्त मस्कारा का इस्तेमाल न करें। इससे आंखों में ईंफेक्शन, जलन और खुजली हो सकती है। लेंस के साथ मेकअप करने के लिए मस्कारे का चयन सावधानी से करें।

5. नकली पलके

आजकल पलकों को घनी दिखाने के लिए लड़कियां फॉल्स आईलैशेज का इस्तेमाल करती है लेकिन लेंस लगाने के बाद इनका प्रयोग हानिकारक हो सकता है। इतना ही नहीं, नकली पलकों से आंखों पर कट भी लग सकता है। ऐसे में बेहतर होगा कि आप इनका इस्तेमाल न करें।

6. मेकअप से पहले कॉन्टेक्ट लेंस

अक्सर लड़कियां मेकअप करने के बाद लेंस लगाती हैं लेकिन ऐसा करना गलत है। मेकअप करने से पहले लेंस लगाएं। इससे आंखों में जलन और खुजली की समस्या नहीं होगी।

7. आईशैडो

अगर आप कॉस्मेटिक लेंस लगाती है तो पाउडर की बजाए क्रीम आईशैडो का इस्तेमाल करें। यह न सिर्फ ज्यादा देर तक आंखों पर टिका रहता है बल्कि इससे कोई नुकसान भी नहीं होता।

8. आईलाइनर लगाते समय रखें ध्यान

आईलाइनर लगाते समय भी आंखो का खास-ख्याल रखना चाहिए क्योंकि कई बार वो आपकी आंखो के अन्दर चला जाता हैं। इससे आंखों में जलन, खुलजी और पानी आने लगता है और इसका प्रभाव लेंस पर भी पड़ता है। आंखों की वॉटरलाइन पर ही लाइनर लगाएं और वो भी संभलकर।

इन बातों का भी रखें ध्यान

-हल्के हाथों से मेकअप करें, ताकि आंखो से लेंस निकल न जाए।

-अगर आपको किसी प्रोडक्ट से जलन हो तो तुरंत जाकर आंखों को ठंडे पानी से धो लें। नहीं तो इससे ईंफेक्शन हो सकता हैं।

-कॉन्टेक्ट या कॉस्मेटिक लेंस के लिए स्पेशल मेकअप प्रोडक्ट्स बनाए जाते हैं इसलिए आप उन्हीं का इस्तेमाल करें।

फिर दिखेगा भारत-पाक क्रिकेट मैच का रोमांच, दुबई में भिड़ेंगी दोनों टीमें

नई दिल्ली। भारत और पाकिस्तान के बीच क्रिकेट मैच का इंतजार कर रहे फैंस के लिए अच्छी खबर है। दोनों देशों की टीम दुबई में सितंबर में होने वाले एशिया कप में भिड़ेंगी। इसकी जानकारी बीसीसीआई अध्यक्ष सौरव गांगुली ने शुक्रवार को दी। उन्होंने कहा कि आगामी एशिया कप टूर्नामेंट का आयोजन दुबई में होगा और इसमें भारत और पाकिस्तान दोनों देशों को इस महाद्वीपीय टूर्नामेंट में भाग लेने का मौका मिलेगा।

सितंबर में आयोजित होने वाले इस टूर्नामेंट के लिए पाकिस्तान को मेजबान देश का दर्जा मिला था, लेकिन बीसीसीआई ने साफ कर दिया था कि सुरक्षा कारणों के चलते उसकी टीम (टीम इंडिया) अपने पड़ोसी देश का दौरा नहीं कर सकती। इसके बाद इस टूर्नामेंट को दुबई में आयोजित कराने का फैसला लिया गया।

एशियन क्रिकेट काउंसिल की 3 मार्च को होने वाली मीटिंग के लिए के दुबई रवाना होने से पहले सौरव गांगुली ने कहा कि एशिया कप दुबई में होगा और भारत और पाकिस्तान दोनों इसमें हिस्सा लेंगे। बीसीसीआई ने यह भी साफ कर दिया कि उसे इस बात से कोई आपत्ति नहीं है कि टूर्नामेंट की मेजबानी पाकिस्तान करेगा।

भारत और पाकिस्तान ने 2012-13 के बाद से कोई भी द्विपक्षीय सीरीज नहीं खेली है। तब पाकिस्तान की टीम सीमित ओवरों की सीरीज खेलने के लिए भारत आई थी। दोनों देशों में राजनीतिक तनाव के चलते ये दोनों देश तब से सिर्फ आईसीसी टूर्नामेंट में ही एक-दूसरे के खिलाफ खेलते दिखते हैं।

चीन के दिग्गज तैराक सुन यांग पर खेल पंचाट ने लगाया 8 साल का बैन

नई दिल्ली। चीन के कई बार के ओलिंपिक और वर्ल्ड चैंपियन तैराक सुन यांग को खेल पंचाट (कैस) ने डोपिंग को स्वीकार करने के लिए 8 साल के लिए बैन कर दिया गया है। स्विमिंग की गवर्निंग बॉडी फिना फिना ने उनपर डोपिंग के आरोपों को हटाया था जिसके खिलाफ विश्व एंटी डोपिंग एजेंसी ने अपील की जिसे खेल पंचाट ने बरकरार रखा।

इस फैसले के बाद सुन को टोक्यो में होने वाले ओलिंपिक गेम्स में 200 मीटर फ्रीस्टाइल खिताब का बचाव करने की अनुमति नहीं मिल पाएगी।

जैमीसन के पंजे में फंसा भारत, न्यूजीलैंड को दी मजबूती

क्राइस्टचर्च। न्यूजीलैंड ने भारत के खिलाफ सीरीज के दूसरे टेस्ट मैच में अपने स्थिति मजबूत कर ली है। हेगली ओवल में खेले जा रहे मैच के पहले दिन भारत को 242 रनों पर समेटने के बाद कीवी टीम ने बिना कोई विकेट खोए 63 रन बना लिए हैं।

भारतीय टीम ने चायकाल तक पांच विकेट खोकर 194 रन बनाए थे और ऐसा लग रहा था कि टीम 300 के आसपास का स्कोर बना लेगी। लेगी आखिरी सेशन में टीम ने जल्दी-जल्दी विकेट खोए। काइल जैमीसन ने शानदार गेंदबाजी की और 14 ओवर में 43 रन देकर पांच विकेट लिए।

टॉम लाथम (27) और टॉम ब्लैंडल (29) ने अपनी टीम को मजबूत शुरूआत दी। कीवी टीम भारत के स्कोर से 179 रन पीछे है।

हनुमा विहारी भारत की ओर से सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी रहे। विहारी ने 55 रन बनाए। इसके अलावा पृथ्वी साव (54) और चेतेश्वर पुजारा (54) ने भी हाफ सेंचुरी लगाईं। विराट कोहली (3) की खराब फॉर्म जारी रही। वहीं अजिंक्य रहाणे भी सात ही रन बना पाए। भारत ने अपने आखिरी पांच विकेट 48 रनों के अंतराल पर खोए। इसमें से 26 रन मोहम्मद शमी (16) और जसप्रीत बुमराह (10) रन की जोड़ी ने बनाए।

भारत की लगातार चौथी जीत, श्रीलंका को 7 विकेट से दी मात

मेलबर्न। भारत ने आईसीसी महिला टी-20 वर्ल्ड कप के ग्रुप ए मैच में शनिवार को श्रीलंका को 7 विकेट से मात दे दी। इसी के साथ ही भारत ने इस टूर्नामेंट में लगातार चौथी जीत दर्ज कर ली है। भारत पहले ही सेमीफाइनल में जगह बना चुका है। श्रीलंका को हराकर भारत ने अपने ग्रुप के सभी मैच जीतते हुए पॉइंट्स टेबल में टॉप पर जगह पक्की कर ली है। भारतीय महिला टीम ग्रुप मैचों में ऑस्ट्रेलिया, बांग्लादेश, न्यूजीलैंड और श्रीलंका को मात देकर 2020 टी-20 वर्ल्ड कप टूर्नामेंट में अब तक अजेय है।

इस मैच में भारत ने पहले श्रीलंका को 9 विकेट पर 113 रनों के मामूली स्कोर पर रोक दिया। फिर जवाब में 3 विकेट गंवा कर लक्ष्य हासिल कर लिया। भारत ने 14।4 ओवर में तीन विकेट पर 116 रन बनाकर जीत दर्ज की। भारत के लिए शेफाली वर्मा ने सबसे ज्यादा 47 रनों की पारी खेली। स्मृति मंधाना ने 17 रन बनाए। इसके अलावा कप्तान हरमनप्रीत कौर, जेमिमाह रोड्रिग्ज और दीप्ति शर्मा ने 15-15 रन बनाए। भारत ने ग्रुप स्टेज में अपने सभी चारों मैच जीते और इस तरह से उसने आठ अंक हासिल किए। अब भारतीय टीम बढ़े मनोबल के साथ सेमीफाइनल में उतरेगी।

श्रीलंका ने भारत के खिलाफ आईसीसी महिला टी-20 वर्ल्ड कप के ग्रुप ए मैच में शनिवार को नौ विकेट पर 113 रन बनाए। श्रीलंका की तरफ से कप्तान चमारी अटापट्टू ने सर्वाधिक 33 रन बनाए। भारत की तरफ से राधा यादव ने 23 रन देकर चार विकेट लिये।

स्पिनर राधा यादव ने अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 23 रन देकर चार विकेट लिये जिससे भारत ने श्रीलंका को नौ विकेट पर 113 रन ही बनाने दिये। बाएं हाथ की स्पिनर राधा ने कप्तान चमारी अटापट्टू का महत्वपूर्ण विकेट भी लिया जिन्होंने श्रीलंका की तरफ से सर्वाधिक 33 रन बनाए।

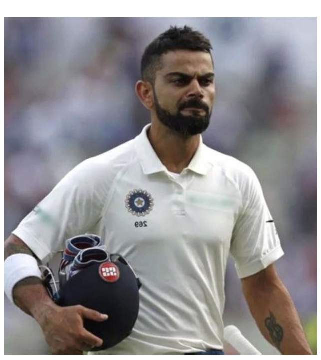

साउदी ने बनाया कोहली को सबसे अधिक बार शिकार, विराट का खराब फॉर्म जारी

नई दिल्ली। न्यूजीलैंड के खिलाफ क्राइस्टचर्च में खेले जा रहे सीरीज के दूसरे टेस्ट मुकाबले में एक बार फिर से कप्तान विराट कोहली का बल्ला खामोश रहा। कोहली न्यूजीलैंड दौरे पर खराब फॉर्म से जूझ रहे हैं। इस मैच में भी वो टिम साउदी का शिकार बने और सिर्फ तीन रन बनाकर पवेलियन लौट गए। साउदी ने कोहली को आउट कर एक अनोखा रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। साउदी के इस रिकॉर्ड से विराट कोहली बेहद परेशान होंगे। क्राइस्टचर्च टेस्ट में विराट 10वीं बार साउदी के हाथों आउट हुए। टेस्ट क्रिकेट में यह कुल 10वां मौका था जब साउदी ने कोहली को पवेलियन की राह दिखाई। कोहली इस सीरीज के पहले टेस्ट मैच में भी कुछ खास नहीं कर पाए थे और दोनों पारियों में कुल 21 (2, 19) रन बना सके थे। दूसरे टेस्ट मैच में लंच ब्रेक के बाद साउदी ने कोहली को एलबीडब्ल्यू आउट किया। कोहली गेंद को मिड ऑन की तरफ खेलना चाहते थे, लेकिन मिस कर गए। कोहली को आउट करार दिया गया लेकिन उन्होंने डीआरएस लिया जो असफल रहा।

इंटरनेशनल क्रिकेट में साउदी ने कोहली को 10वीं बार अपना शिकार बनाया। तीन बार टेस्ट, जबकि वन-डे में छह और टी-20 में एक बार विराट इस कीवी गेंदबाज के खिलाफ आउट हुए हैं। कोहली को सभी फॉर्मेट में साउदी ने ही सबसे अधिक बार आउट किया है। साउदी के बाद इंग्लैंड के स्पिनर ग्रीम स्वान और पेसर जेम्स एंडरसन ने आठ-आठ बार कोहली को आउट किया है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

शाहरुख की कमाई बिना फिल्मों के 122% बढ़ी

दिसंबर 2018 के बाद से बॉलीवुड स्टार शाहरुख की कोई फिल्म नहीं आई है। लेकिन कमाई की बात करें तो उनकी कमाई 122 फीसदी बढ़ी है। फोर्ब्स के अनुसार 2018 में उनकी कमाई 56 करोड़ रुपए थी, जो 2019 में 124 करोड़ रु. हो गई। हालांकि जो शाहरुख पहले विज्ञापन के भी किंग थे, उन्हें अब क्रिकेटर विराट कोहली, अभिनेता रणवीर सिंह जैसे सितारों से कड़ी टक्कर मिल रही है। शाहरुख के करीबियों ने बताया कि पिछले करीब एक साल में उनके पास 20 से 25 स्क्रिप्ट्स आई हैं। करीब पांच स्क्रिप्ट्स को उन्होंने जुबानी सहमति दी है। राजकुमार हिरानी, राज-डीके, अली अब्बास जफर और श्रीराम राघवन लगातार उनसे संपर्क में हैं। निर्देशक राजकुमार हिरानी कहते हैं कि शाहरुख ने फिल्मों में कई लीक से हटकर भूमिकाएं चुनी हैं। कई बार वे पसंद की जाती हैं। कई बार नहीं। मेरे ख्याल से उनमें तो अभी बहुत सिनेमा बचा हुआ है। फिल्म समीक्षक कोमल नाहटा बताते हैं कि शाहरुख खान जुलाई में आ रही एक फिल्म में नजर आएंगे। फिल्म में उनका स्पेशल अपीरियंस है। कोमल कहते हैं कि शाहरुख की अगली फिल्म 2021 में आ सकती है। यह राजकुमार हिरानी के साथ होगी। हालांकि शाहरुख या उनकी टीम ने खुद किसी फिल्म की घोषणा अब तक नहीं की है। 2017 में डफ एंड फेल्प्स की सेलिब्रिटी ब्रैंड वैल्यूज रैंकिंग में विराट ने शाहरुख को पछाड़ा। इस वर्ष 144 मिलियन डॉलर की ब्रैंड वैल्यू के साथ विराट टॉप पर रहे। शाहरुख 106 मिलियन डॉलर के साथ दूसरे स्थान पर थे।

मरते दम तक ऐक्टिंग करते रहना चाहती हैं करीना कपूर

करीना कपूर ने बॉलिवुड इंडस्ट्री में करीब दो दशक पूरे कर लिए हैं। अपने 20 साल के करियर में उन्होंने कई तरह के किरदार पर्दे पर निभाए हैं जिनके कारण वह दर्शकों के दिलों में बसी हुई हैं। ऐक्टिंग को लेकर अपने पैशन पर करीना ने हाल ही में एक इंटरव्यू में बात की। ऐक्ट्रेस ने फिल्म इंडस्ट्री में अपनी जर्नी को लेकर कहा, ये 20 साल काफी अद्भुत रहे। इस शानदार यात्रा में मैंने कई बेहतरीन लोगों के साथ काम किया। मैं ऐक्टिंग के लिए ही पैदा हुई थी और मुझे महसूस होता है कि इसी को लेकर मैं पैशनेट हूं। करीना ऐक्टिंग से कितना प्यार करती हैं यह बात तब जाहिर हुई जब उन्होंने हमेशा इंडस्ट्री में ऐक्टिव बने रहने की इच्छा जताई। मैं उम्मीद करती हूं कि मैं अपनी जिंदगी के अंत तक ऐक्टिंग करती रहूं। ऐक्ट्रेस के वर्क फ्रंट की बात करें तो करीना कपूर जल्द ही फिल्म 'गुड न्यूज' में नजर आएंगी जिसमें उनके साथ अक्षय कुमार और दिलजीत दोसांझ लीड रोल में नजर आएंगे। इसके साथ ही करीना ने कुछ दिनों पहले ही लंदन में फिल्म 'अंग्रेजी मीडियम' का शूटिंग शेड्यूल पूरा किया है जिसमें इरफान खान लीड रोल में हैं। वहीं करण जौहर के ड्रीम प्रॉजेक्ट माने जाने वाली फिल्म 'तख्त' में भी करीना अहम रोल निभाती नजर आएंगी।

पापा बोनी कपूर की फिल्म में 'बॉम्बे गर्ल' बनेंगी जाह्नवी

प्रड्यूसर बोनी कपूर और ऐक्ट्रेस श्रीदेवी की बेटी जाह्नवी कपूर अभी भले ही सिर्फ एक फिल्म पुरानी हैं, लेकिन उनके पास कई बड़ी और इंट्रेस्टिंग फिल्मों की लाइन लग चुकी हैं। जाह्नवी आने वाले दिनों में गुंजन सक्सेना की बायॉपिक 'द कारगिल गर्ल', 'तख्त', 'दोस्ताना 2', 'रूही-अफजा' जैसी चर्चित फिल्मों में नजर आएंगी। अब इस कड़ी में एक और फिल्म 'बॉम्बे गर्ल' का नाम भी जुड़ गया है। खास बात यह है कि इस फिल्म में जाह्नवी पहली बार अपने पापा बोनी कपूर के प्रॉडक्शन बैनर तले काम करेंगी। जानकारी के मुताबिक, बोनी कपूर और निमार्ता महावीर जैन एक साथ मिलकर दो पीढ़ियों के अंतर को दिखाने वाली फिल्म 'बॉम्बे गर्ल' बना रहे हैं, जिसमें मुख्य भूमिका जाह्नवी निभाएंगी। इस फिल्म में जान्हवी कपूर एक विद्रोही युवा लड़की के किरदार में होंगी। इस फिल्म को क्लब 60 फेम निर्देशक संजय त्रिपाठी ने लिखा है, जो इसके निर्देशन का जिम्मा भी उठाएंगे। यह फिल्म दो पीढ़ियों के सोच के अंतर को दिखाने के साथ ही उनके बीच रिश्तों की डोर मजबूत करने का संदेश भी देगी। हालांकि अभी तक यह पता नहीं चला है कि फिल्म में जाह्नवी के साथ कौन-कौन से कलाकार होंगे। बता दें कि जाह्नवी ने हाल में गुंजन सक्सेना की बायॉपिक 'द कारगिल गर्ल' और 'रूही-अफजा' की शूटिंग पूरी की है।